| | श्री गणेशाय नमः | |

HOROSCOPE

synilogic

27/10/2001 23:12

Kota, India

Generated By

JYOTISHAM ASTRO API

बुनियादी ज्योतिषीय विवरण

बुनियादी विवरण	
जन्मतिथि	27/10/2001
जन्म का समय	23:12
जन्म स्थान	Kota, India
अक्षांश	24
देशान्तर	76
समय क्षेत्र	+5.5
अयनांश	23.878055555555555
सूर्योदय	6:31:06 पूर्वाह्न
सूर्यास्त	5:50:51 अपराह्न

पंचांग	
तिथि	एकादशी
योग	ध्रुव
नक्षत्र	शतभिषा
कर्ण	विष्टि

घटक चक्र	
दिन	गुरुवार
तिथि	3(तृतीया),8(अष्टमी),13(त्रयोदशी)
राशि	धनु
तत्व	मानस
भगवान	बृहस्पति
नक्षत्र	आर्द्रा
समान लिंग लग्न	मिथुन
विपरीत लिंग लग्न	धनु

ज्योतिषीय विवरण	
तिथि	एकादशी
वर्ण	शूद्र
योनि	अश्व
वास्या	मनुष्य
नाड़ी	आदि
राशि	कुम्भ
राशि स्वामी	शनि
कर्ण	विष्टि
तत्व	वायु
नक्षत्र	शतभिषा
नक्षत्र स्वामी	राहु
लग्न	कर्क
पया	लोहा
नाम	से सो द दी

ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थानीय डिग्री	वैश्विक डिग्री	राशि	राशि स्वामी	घर	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	अवस्था
लग्न	1.6504279012795422	91.65042790127954	कर्क	चंद्रमा	1	पुनर्वसु	बृहस्पति	-
सूरज	10.495566772138801	190.4955667721388	तुला	शुक्र	4	स्वाति	राहु	युवा (कुमारा)
चंद्रमा	19.849426616739436	319.84942661673944	कुम्भ	शनि	8	शतभिषा	राहु	वृद्धा
मंगल	6.132590769232081	276.1325907692321	मकर	शनि	7	उत्तराषाढ़ा	सूरज	युवा (कुमारा)
बुध	22.24786368665505	172.24786368665505	कन्या	बुध	3	हस्त	चंद्रमा	वृद्धा
बृहस्पति	21.752592772778797	81.7525927727788	मिथुन	बुध	12	पुनर्वसु	बृहस्पति	वृद्धा
शुक्र	21.358516054832876	171.35851605483288	कन्या	बुध	3	हस्त	चंद्रमा	वृद्धा
शनि	20.247134373214934	50.247134373214934	वृषभ	शुक्र	11	रोहिणी	चंद्रमा	वृद्धा
राहु	5.955932151835526	65.95593215183553	मिथुन	बुध	12	मृगशिरा	मंगल	नवजात (बाला)
केतु	5.955932151835498	245.9559321518355	धनु	बृहस्पति	6	मूल	केतु	नवजात (बाला)

सूरज
तुला
स्वाति(2)

उत्तेजित

चंद्रमा
कुम्भ
शतभिषा(4)

तटस्थ

मंगल
मकर
उत्तराषाढ़ा(3)

तटस्थ

बुध
कन्या
हस्त(4)

मज़बूत

बृहस्पति
मिथुन
पुनर्वसु(1)

तटस्थ

शुक्र
कन्या
हस्त(4)

मज़बूत

शनि
वृषभ
रोहिणी(4)

उत्तेजित

राहु
मिथुन
मृगशिरा(4)

मज़बूत

केतु
धनु
मूल(2)

मज़बूत

राशिफल चार्ट

लग्न, जिसे लग्न के नाम से भी जाना जाता है, वह राशि है जो किसी व्यक्ति के जन्म के ठीक समय पर पूर्वी क्षितिज पर उग रही थी। यह जन्म कुंडली में सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है, क्योंकि यह पूरी कुंडली की नींव को आकार देता है। लग्न को चार्ट का शुरुआती बिंदु माना जाता है और इसे पहले घर के रूप में गिना जाता है। लग्न से, अन्य घरों को क्रम में व्यवस्थित किया जाता है, शेष राशियों के माध्यम से आगे बढ़ते हुए। इसका मतलब यह है कि लग्न न केवल उस राशि की पहचान करता है जो उग रही थी, बल्कि चार्ट में अन्य सभी घरों के लेआउट को भी निर्धारित करती है। कुंडली में प्रत्येक घर जीवन के विशिष्ट पहलुओं का प्रतिनिधित्व करता है, जैसे परिवार, करियर, रिश्ते और स्वास्थ्य। इसलिए, लग्न किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व, जीवन यात्रा और भाग्य को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

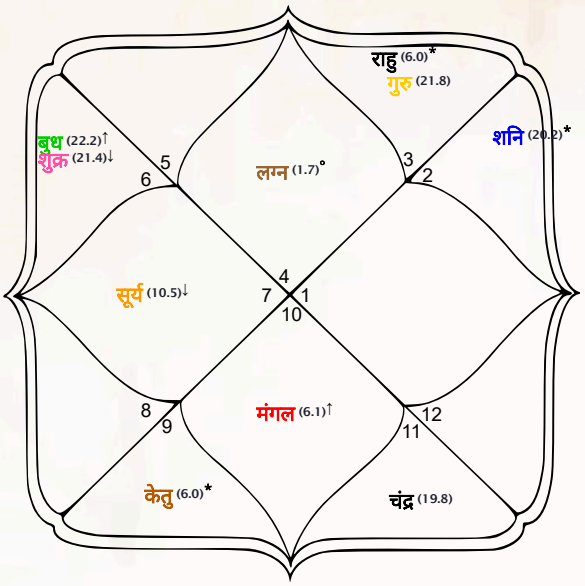

लग्न कुंडली (जन्म कुंडली)

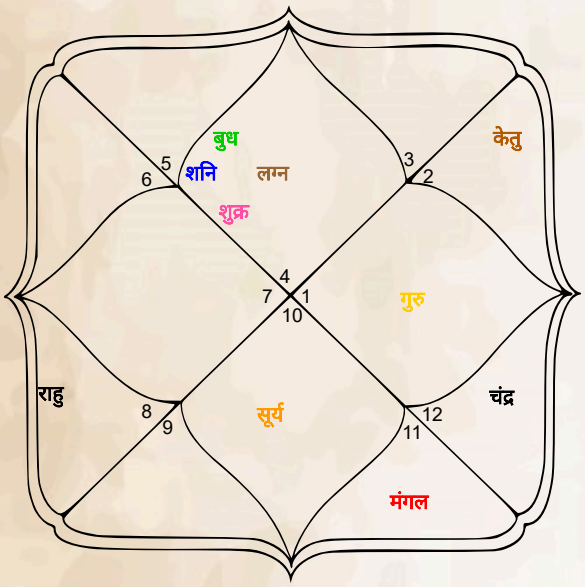

नवमांश चार्ट(D9)

नवमांश चार्ट वैदिक ज्योतिष में सबसे महत्वपूर्ण विभागीय चार्ट में से एक है। 'नवमांश' शब्द का अर्थ है 'नौ भाग', जो प्रत्येक राशि (राशि) के नौ बराबर भागों में विभाजन को दर्शाता है। इनमें से प्रत्येक भाग, जिसे अंस कहा जाता है, एक राशि के भीतर 3 डिग्री और 20 मिनट तक फैला होता है। यह चार्ट जीवन के विभिन्न पहलुओं, जैसे कि रिश्तों, आध्यात्मिकता और जन्म कुंडली में ग्रहों की ताकत के बारे में गहरी जानकारी प्रदान करता है। मुख्य जन्म कुंडली के साथ-साथ नवमांश चार्ट का विश्लेषण करके, ज्योतिषी किसी व्यक्ति के चरित्र, भाग्य और संभावित जीवन की घटनाओं के बारे में अधिक विस्तृत समझ प्राप्त कर सकते हैं।

ज्योतिष में चंद्रमा चार्ट एक मूल्यवान उपकरण है जिसका उपयोग सटीक भविष्यवाणियां करने के लिए किया जाता है। इसे चंद्र राशि - वह राशि जहाँ जन्म के समय चंद्रमा स्थित था - को शुरुआती बिंदु या प्रथम भाव के रूप में रखकर बनाया जाता है। ज्योतिषी अक्सर गहरी जानकारी प्राप्त करने के लिए चंद्र चार्ट की तुलना लग्न (आरोही) चार्ट से करते हैं। जब विशिष्ट ग्रह संरेखण, जिन्हें योग या संयोजन के रूप में जाना जाता है, चंद्र चार्ट और लग्न चार्ट दोनों में दिखाई देते हैं, तो उनका प्रभाव आमतौर पर किसी व्यक्ति के जीवन में बहुत अधिक मजबूत और अधिक ध्यान देने योग्य होता है। यह संरेखण घटनाओं और प्रभावों की स्पष्ट समझ प्रदान करने में मदद करता है, जिससे भविष्यवाणियाँ अधिक विश्वसनीय और प्रभावशाली बनती हैं।

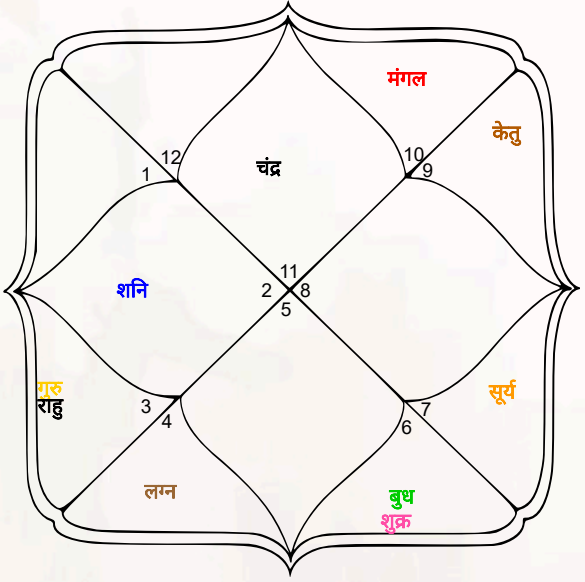

चंद्र कुंडली

संभागीय चार्ट

सूरज

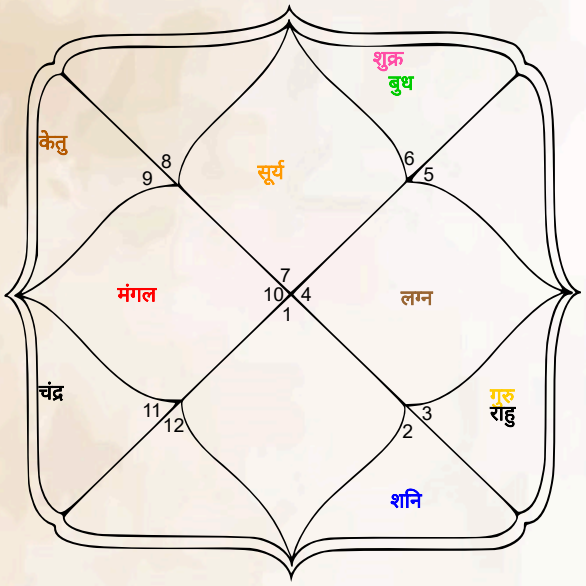

स्वास्थ्य, संविधान, शरीर

द्रेष्काण (D3)

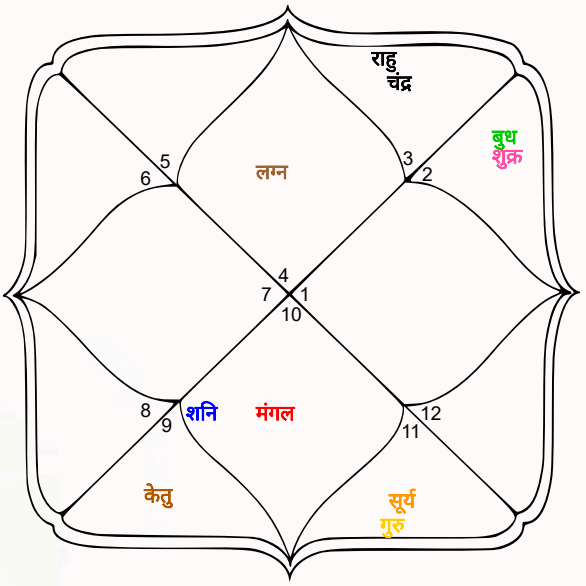

भाइयों बहनों

चतुर्थांश (D4)

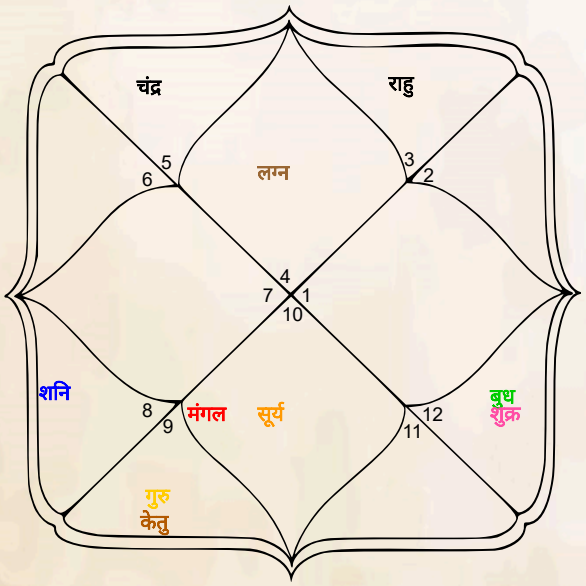

भाग्य, जातक का सौभाग्य

षष्ठमांश (D6)

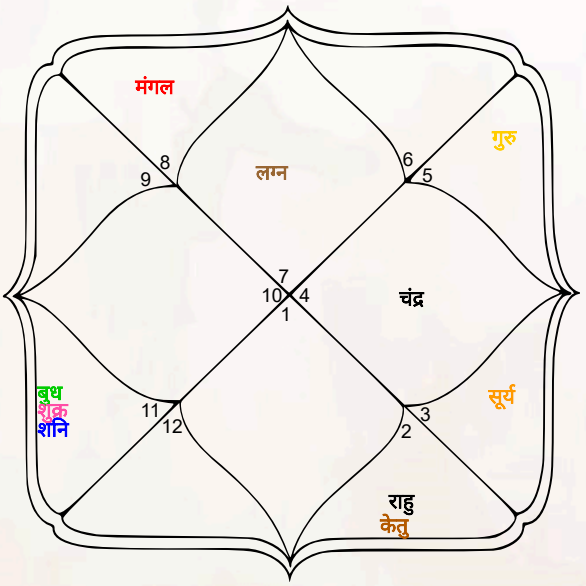

स्वास्थ्य

संभागीय चार्ट

सप्तमांश (D7)

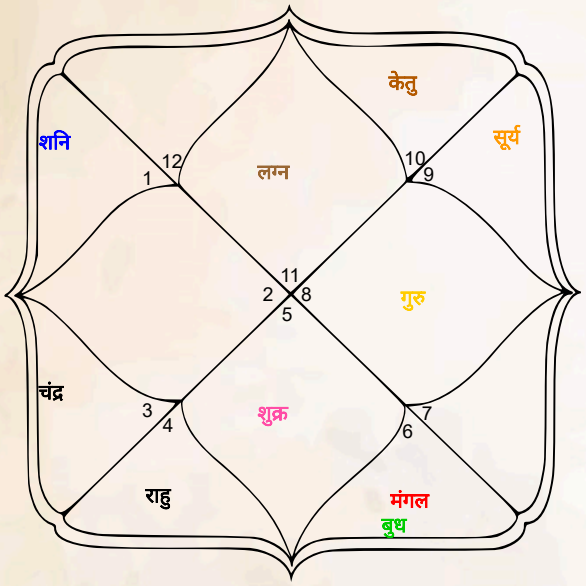

गर्भाधान, बच्चे का जन्म

अष्टमांश (D8)

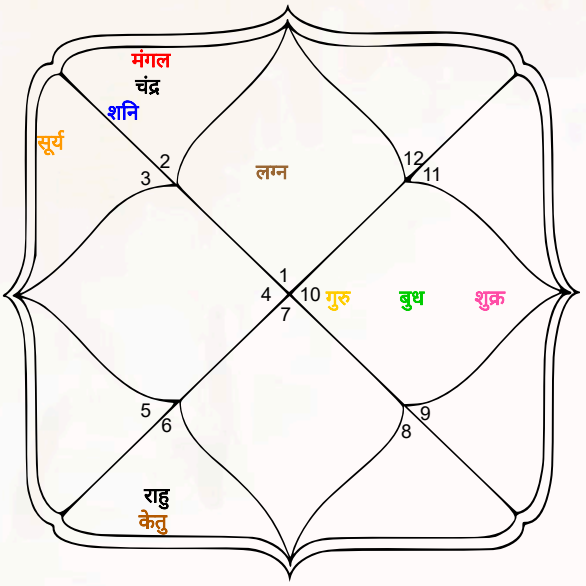

दीर्घायु दर्शाता है

दशमांश (D10)

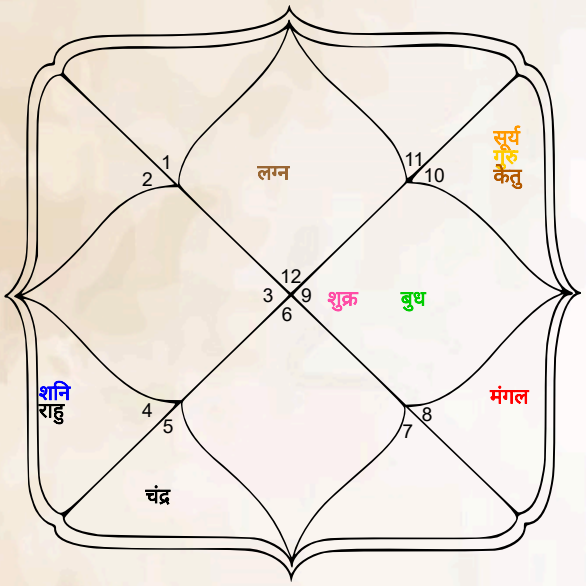

आजीविका, पेशा

द्वादशांश (D12)

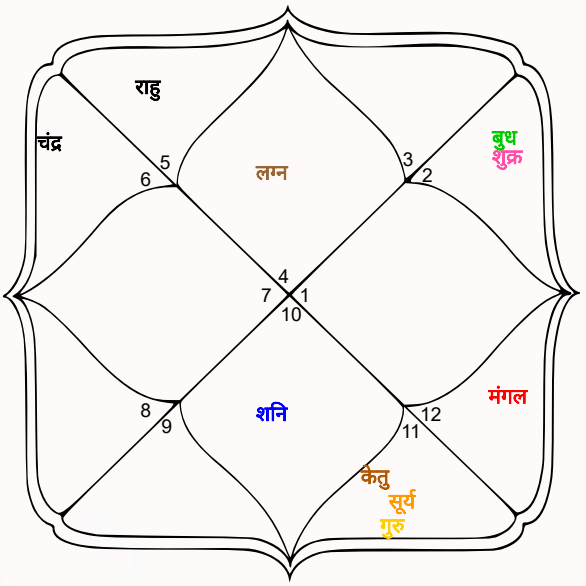

माता-पिता, पितृ सुख

संभागीय चार्ट

षोडशांश (D16)

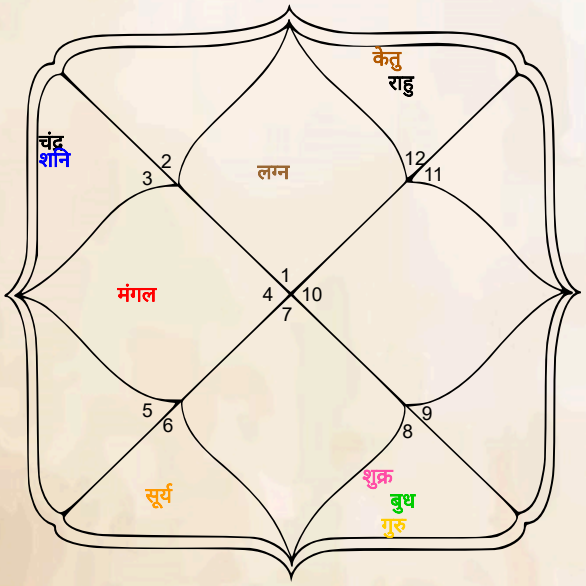

सुख,दुख,परिवहन

विषांश (D20)

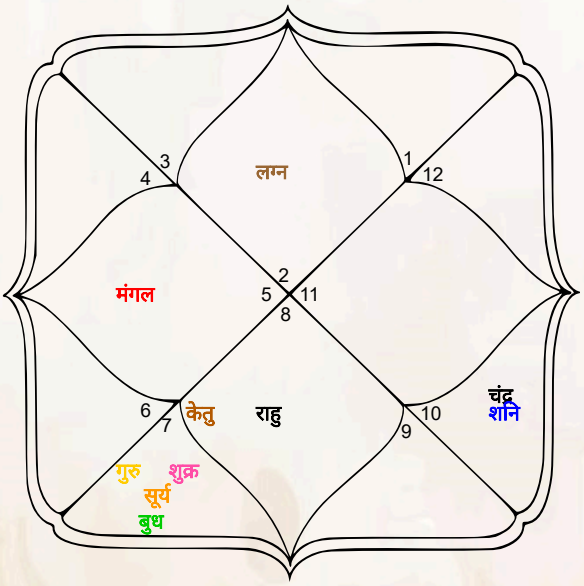

आध्यात्मिक प्रगति, उपासना

चतुर्विंशांश (D24)

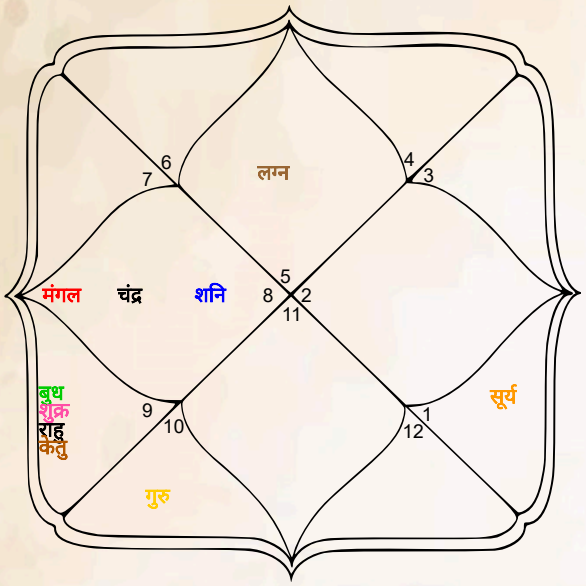

शैक्षणिक उपलब्धि, शिक्षा

सप्तविंशांश (D27)

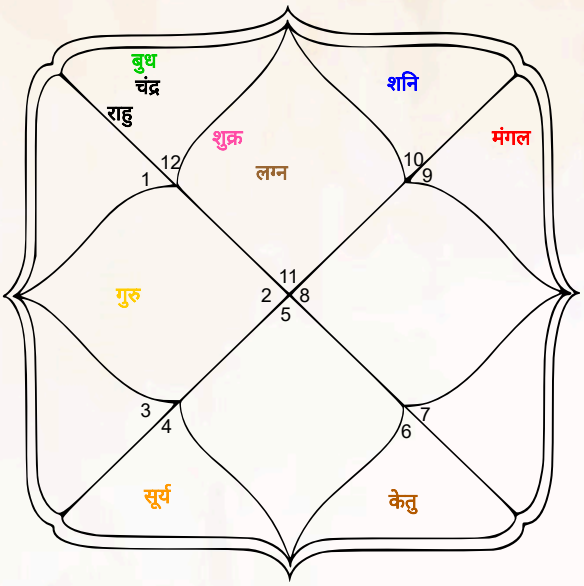

शारीरिक शक्ति, सहनशक्ति

संभागीय चार्ट

त्रिशांशा (D30)

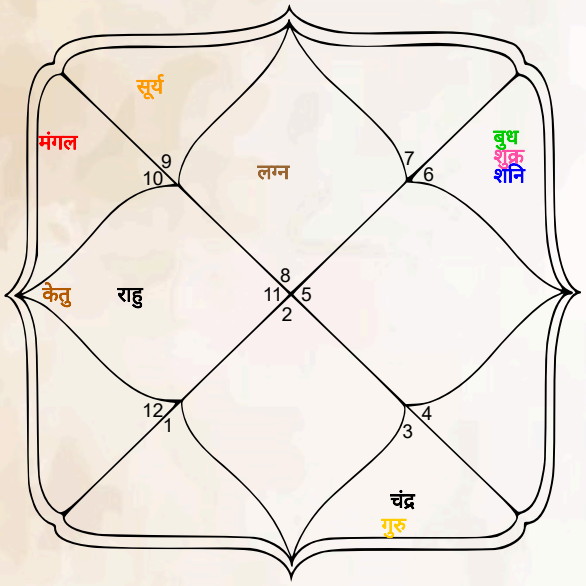

बुराई, जीवन की प्रतिकूलताएँ

ख़ावेदांशा (D40)

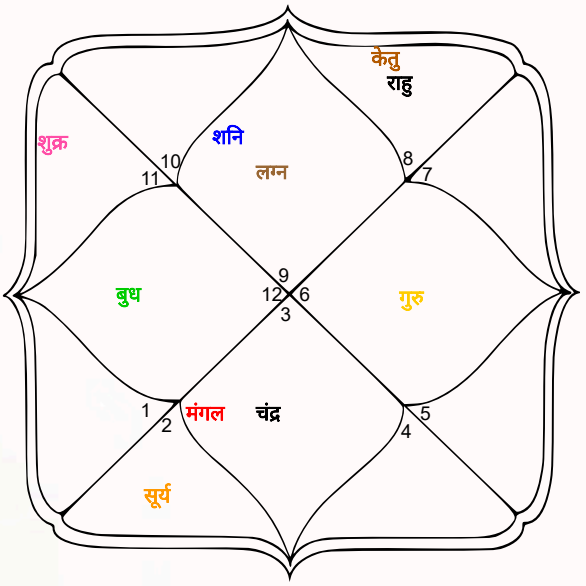

शुभ एवं अशुभ प्रभाव

अक्षवेदांशा (D45)

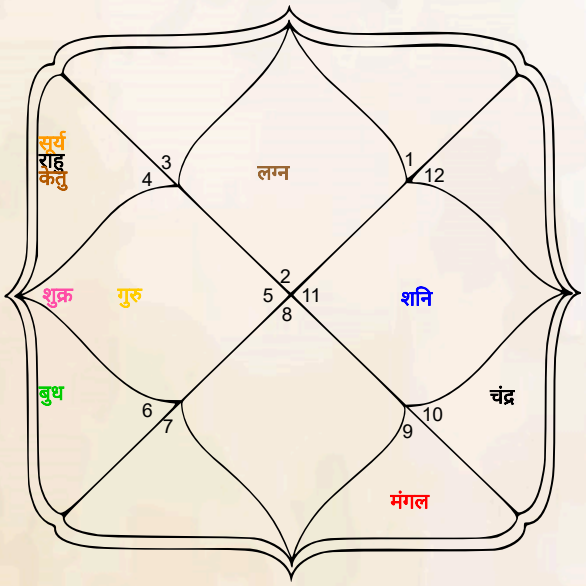

जातक का चरित्र और आचरण

षष्टयांश (D60)

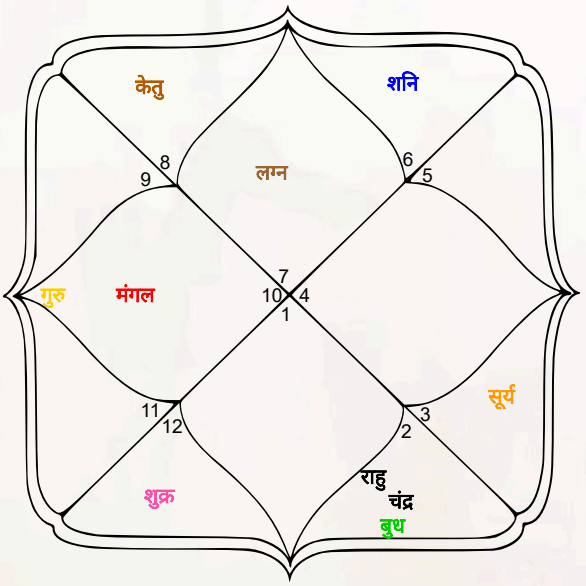

सामान्य खुशी दर्शाता है

केपी ग्रहों का विवरण

ग्रह	डिग्री	राशि क्रमांक	राशि चक्र	राशि स्वामी	घर
लग्न	91.75042790127954	4	कर्क	चंद्रमा	1
सूरज	190.5955667721388	7	तुला	शुक्र	4
चंद्रमा	319.94942661673946	11	कुम्भ	शनि	8
मंगल	276.2325907692321	10	मकर	शनि	7
बुध	172.34786368665505	6	कन्या	बुध	3
बृहस्पति	81.85259277277879	3	मिथुन	बुध	12
शुक्र	171.45851605483287	6	कन्या	बुध	3
शनि	50.347134373214935	2	वृषभ	शुक्र	11
राहु	66.05593215183552	3	मिथुन	बुध	12
केतु	246.0559321518355	9	धनु	बृहस्पति	6

ग्रह	नक्षत्र	नक्षत्र स्वामी	नक्षत्र पद	उप-स्वामी	उप-उप-स्वामी
लग्न	पुनर्वसु	बृहस्पति	4	राहु	बृहस्पति
सूरज	स्वाति	राहु	2	शनि	शनि
चंद्रमा	शतभिषा	राहु	4	मंगल	शुक्र
मंगल	उत्तराषाढ़ा	सूरज	3	बुध	मंगल
बुध	हस्त	चंद्रमा	4	शुक्र	बुध
बृहस्पति	पुनर्वसु	बृहस्पति	1	बृहस्पति	राहु
शुक्र	हस्त	चंद्रमा	4	शुक्र	राहु
शनि	रोहिणी	चंद्रमा	4	केतु	शनि
राहु	मृगशिरा	मंगल	4	चंद्रमा	बृहस्पति
केतु	मूल	केतु	2	राहु	बृहस्पति

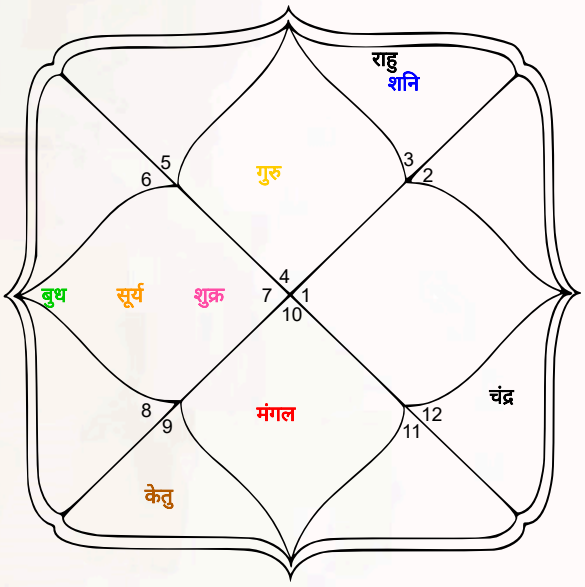

मैत्री तालिका

स्थायी मित्रता

ग्रह	सूरज	चंद्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
सूरज	--	दोस्त	दोस्त	तटस्थ	दोस्त	दुश्मन	दुश्मन
चंद्रमा	दोस्त	--	तटस्थ	दोस्त	तटस्थ	तटस्थ	तटस्थ
मंगल	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	दोस्त	तटस्थ	तटस्थ
बुध	दोस्त	दुश्मन	तटस्थ	--	दुश्मन	दोस्त	तटस्थ
बृहस्पति	दोस्त	दोस्त	दोस्त	दुश्मन	--	दुश्मन	तटस्थ
शुक्र	दुश्मन	तटस्थ	तटस्थ	दोस्त	तटस्थ	--	दोस्त
शनि	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	दोस्त	तटस्थ	दोस्त	--

अस्थायी मित्रता

ग्रह	सूरज	चंद्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
सूरज	--	दुश्मन	दोस्त	दोस्त	दुश्मन	दोस्त	दुश्मन
चंद्रमा	दुश्मन	--	दोस्त	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	दोस्त
मंगल	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन
बुध	दोस्त	दुश्मन	दुश्मन	--	दोस्त	दुश्मन	दुश्मन
बृहस्पति	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त
शुक्र	दोस्त	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	दोस्त	--	दुश्मन
शनि	दुश्मन	दोस्त	दुश्मन	दुश्मन	दोस्त	दुश्मन	--

पांच गुना दोस्ती

ग्रह	सूरज	चंद्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
सूरज	--	तटस्थ	अंतरंग दोस्त	दोस्त	तटस्थ	तटस्थ	जानी दु.
चंद्रमा	तटस्थ	--	दोस्त	तटस्थ	दुश्मन	दुश्मन	दोस्त
मंगल	अंतरंग दोस्त	अंतरंग दोस्त	--	जानी दु.	तटस्थ	दुश्मन	दुश्मन
बुध	अंतरंग दोस्त	जानी दु.	दुश्मन	--	दोस्त	तटस्थ	दुश्मन
बृहस्पति	तटस्थ	तटस्थ	तटस्थ	तटस्थ	--	तटस्थ	दोस्त
शुक्र	तटस्थ	जानी दु.	दुश्मन	तटस्थ	दोस्त	--	तटस्थ
शनि	जानी दु.	तटस्थ	जानी दु.	तटस्थ	दोस्त	तटस्थ	--

सूर्य भिन्नाष्टकवर्ग

सूर्य बिनष्टकवर्ग आपकी कुंडली में सूर्य के प्रभाव का विस्तृत आकलन है। यह अष्टकवर्ग प्रणाली का एक हिस्सा है, जो विश्लेषण करता है कि सूर्य अन्य ग्रहों के साथ कैसे बातचीत करता है और राशि चक्रों में इसकी स्थिति क्या है। इस प्रणाली में, सूर्य की शक्ति और समर्थन के आधार पर प्रत्येक घर को बिन्दु नामक बिंदु दिए जाते हैं। ये बिंदु बताते हैं कि सूर्य आपके जीवन के प्रमुख पहलुओं, जैसे कि करियर, स्वास्थ्य, अधिकार और आत्मविश्वास को कैसे प्रभावित करता है। अधिक बिंदुओं वाला घर सूर्य के अधिक मजबूत और अधिक अनुकूल प्रभाव को दर्शाता है, जबकि कम बिंदु उन क्षेत्रों का सुझाव देते हैं जहां चुनौतियां उत्पन्न हो सकती हैं। सूर्य बिनष्टकवर्ग को समझकर, ज्योतिषी आपकी शक्तियों, अवसरों और ध्यान देने की आवश्यकता वाले क्षेत्रों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकते हैं, जो आपकी क्षमता और जीवन पथ के बारे में एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करते हैं।

	मेष	वृषभ	मिथुन	कैंसर	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनुराशि	मकर	कुम्भ	मीन
सूरज	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0
चंद्रमा	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0
मंगल	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0
बुध	0	1	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0
बृहस्पति	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0
शुक्र	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	1
शनि	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1
लग्न	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0
कुल	5	4	4	4	5	2	4	6	3	4	5	2

महत्व

कैरियर स्वास्थ्य नेतृत्व

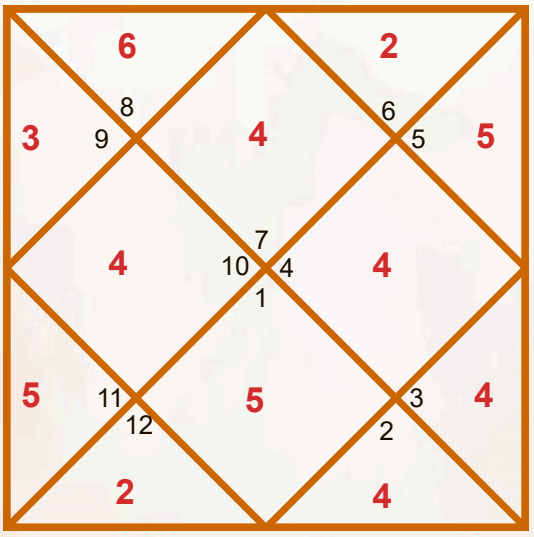

चन्द्रमा बिन्नाष्टक वर्ग

चंद्र बिनष्टकवर्ग अष्टकवर्ग प्रणाली के माध्यम से आपकी कुंडली में चंद्रमा के प्रभाव का मूल्यांकन करता है। यह विश्लेषण जीवन के विभिन्न पहलुओं पर चंद्रमा के प्रभाव को दर्शाते हुए विभिन्न घरों को बिन्दु (बिंदु) प्रदान करता है। इन बिंदुओं का वितरण इस बात पर प्रकाश डालता है कि चंद्रमा भावनात्मक स्थिरता, मानसिक शांति और जीवन में अनुकूलनशीलता को कैसे प्रभावित करता है। उच्च बिंदुओं वाले घर उन क्षेत्रों को इंगित करते हैं जहां चंद्रमा मजबूत समर्थन और सकारात्मक परिणाम प्रदान करता है, जबकि कम अंक संभावित चुनौतियों का संकेत देते हैं। चंद्र बिनष्टकवर्ग आपकी भावनात्मक भलाई में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करता है और ज्योतिषियों को आपकी ताकत और कमजोरियों की व्याख्या करने में मदद करता है।

	मेष	वृषभ	मिथुन	कैंसर	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनुराशि	मकर	कुम्भ	मीन
सूरज	1	1	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1
चंद्रमा	1	0	0	1	1	0	0	1	1	0	1	0
मंगल	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	1
बुध	1	0	1	1	0	1	0	1	1	1	0	1
बृहस्पति	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	1
शुक्र	0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	1
शनि	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1
लग्न	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0
कुल	5	5	4	5	2	5	2	4	6	3	2	6

महत्व

भावनात्मक स्थिरता

मानसिक शांति

सम्बन्ध

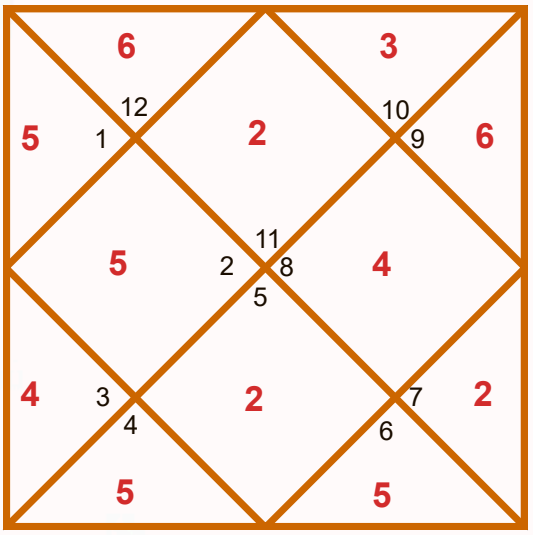

मंगल बिन्नाष्टक वर्ग

मंगल बिनष्टकवर्ग अष्टकवर्ग प्रणाली का उपयोग करके आपकी कुंडली में मंगल के प्रभाव का विश्लेषण करता है। विभिन्न घरों को अंक (बिंदु) दिए गए हैं, जो दर्शाते हैं कि मंगल जीवन के विभिन्न पहलुओं को कैसे प्रभावित करता है। यह वितरण साहस, दृढ़ संकल्प और शारीरिक ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में मंगल की ताकत को प्रकट करता है। अधिक बिंदुओं वाले घर संकेत देते हैं कि मंगल कहाँ मजबूत समर्थन और अनुकूल परिणाम प्रदान करता है, जबकि कम अंक उन क्षेत्रों का सुझाव देते हैं जहाँ चुनौतियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। मंगल बिनष्टकवर्ग आपकी कार्रवाई करने, बाधाओं को दूर करने और अपनी ऊर्जा को प्रभावी ढंग से निर्देशित करने की आपकी क्षमता को समझने में मदद करता है।

	मेष	वृषभ	मिथुन	कैंसर	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनुराशि	मकर	कुम्भ	मीन
सूरज	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	1	1
चंद्रमा	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0
मंगल	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0
बुध	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0
बृहस्पति	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1
शुक्र	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0
शनि	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	1	1
लग्न	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0
कुल	5	3	0	6	4	1	1	4	4	3	5	3

महत्व

साहस

शारीरिक ऊर्जा

नेतृत्व

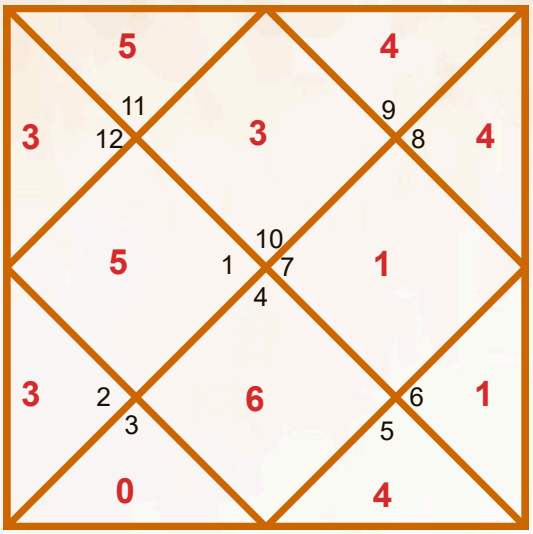

बुध बिन्नाष्टक वर्ग

बुध बिनष्टकवर्ग अष्टकवर्ग प्रणाली के माध्यम से आपकी कुंडली में बुध की भूमिका का मूल्यांकन करता है। विभिन्न घरों को अंक (बिंदु) आवंटित किए जाते हैं, जो जीवन के विभिन्न पहलुओं पर बुध के प्रभाव को दर्शाते हैं। यह चार्ट बुद्धि, संचार और निर्णय लेने के कौशल पर बुध के प्रभाव को उजागर करता है। उच्च बिंदुओं वाले घर उन क्षेत्रों को इंगित करते हैं जहां बुध अनुकूल परिणामों का समर्थन करता है, जबकि निचले बिंदु चुनौतियों का संकेत दे सकते हैं। बुध बिनष्टकवर्ग आपकी मानसिक चपलता, सीखने की क्षमताओं और पारस्परिक संबंधों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

	मेष	वृषभ	मिथुन	कैंसर	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनुराशि	मकर	कुम्भ	मीन
सूरज	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	1
चंद्रमा	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	0	1
मंगल	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0
बुध	0	1	1	1	1	1	0	1	0	1	1	0
बृहस्पति	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0
शुक्र	1	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0
शनि	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1
लग्न	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0
कुल	4	6	3	5	5	5	3	6	4	5	5	3

महत्व

खुफिया

व्यापार

संचार

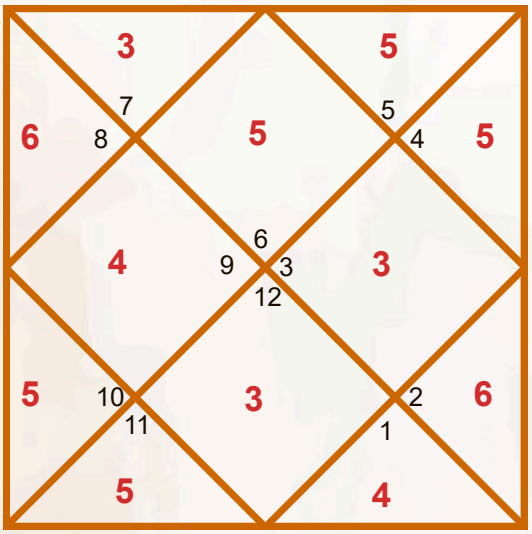

बुध बिन्नाष्टक वर्ग

बृहस्पति बिनष्टकवर्ग अष्टकवर्ग प्रणाली का उपयोग करके आपकी कुंडली में बृहस्पति के प्रभाव का आकलन करता है। विभिन्न घरों में बिंदु (बिंदु) वितरित किए जाते हैं, जो दर्शाते हैं कि बृहस्पति जीवन के विभिन्न पहलुओं को कैसे प्रभावित करता है। यह विश्लेषण ज्ञान, विकास और विस्तार जैसे क्षेत्रों में बृहस्पति की भूमिका पर प्रकाश डालता है। अधिक बिंदुओं वाले घर संकेत देते हैं कि बृहस्पति कहाँ मजबूत समर्थन और अनुकूल परिणाम प्रदान करता है, जबकि कम बिंदु चुनौतियों या बाधाओं का संकेत देते हैं। बृहस्पति बिनष्टकवर्ग आध्यात्मिक रूप से बढ़ने, अवसरों को आकर्षित करने और ज्ञान और आशावाद के माध्यम से सफलता प्राप्त करने की आपकी क्षमता के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

	मेष	वृषभ	मिथुन	कैंसर	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनुराशि	मकर	कुम्भ	मीन
सूरज	1	1	1	1	1	0	1	1	1	1	0	0
चंद्रमा	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	0	1
मंगल	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0
बुध	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	0
बृहस्पति	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1
शुक्र	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0
शनि	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	0
लग्न	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1
कुल	5	4	5	7	5	3	7	3	5	6	3	3

महत्व

आध्यात्मिकता

विकास

अवसर

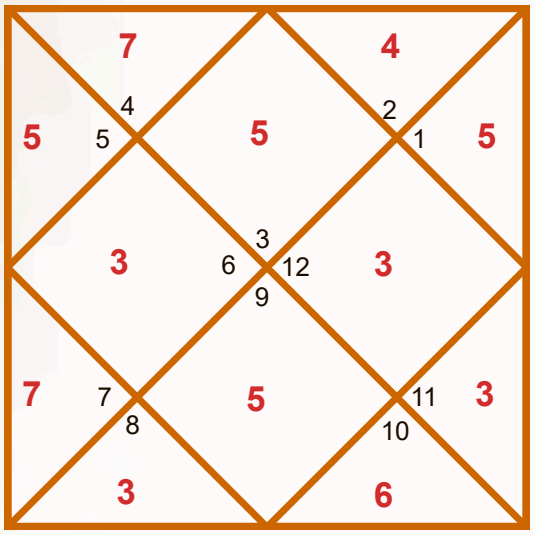

शुक्र अष्टकवर्ग

शुक्र बिनष्टकवर्ग अष्टकवर्ग प्रणाली के माध्यम से आपकी कुंडली में शुक्र के प्रभाव की जांच करता है। विभिन्न घरों को अंक (बिंदु) आवंटित किए जाते हैं, जो जीवन के विभिन्न क्षेत्रों पर शुक्र के प्रभाव को दर्शाते हैं। यह विश्लेषण प्रेम, सौंदर्य और रचनात्मकता जैसे क्षेत्रों में शुक्र के प्रभाव को प्रकट करता है। उच्च बिंदुओं वाले घर संकेत देते हैं कि शुक्र कहाँ सकारात्मक परिणाम और समर्थन लाता है, जबकि कम अंक उन क्षेत्रों में चुनौतियों का संकेत देते हैं। शुक्र बिनष्टकवर्ग आपके रिश्तों, कलात्मक प्रतिभाओं और सद्भाव और विलासिता की भावना के बारे में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

	मेष	वृषभ	मिथुन	कैंसर	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनुराशि	मकर	कुम्भ	मीन
सूरज	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0
चंद्रमा	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1
मंगल	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1
बुध	0	1	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0
बृहस्पति	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1
शुक्र	1	1	1	1	0	1	1	1	1	1	0	0
शनि	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	1	1
लग्न	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1
कुल	3	6	3	4	3	6	4	4	4	5	5	5

महत्व

प्यार

रचनात्मकता

आराम

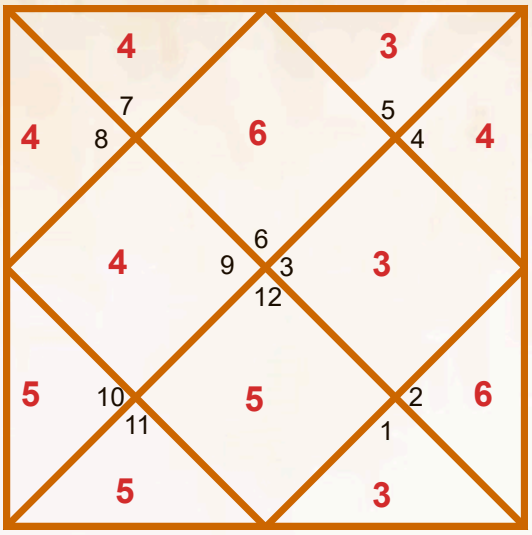

शनि भिन्नाष्टकवर्ग

शनि बिनष्टकवर्ग अष्टकवर्ग प्रणाली का उपयोग करके आपकी कुंडली में शनि के प्रभाव का विश्लेषण करता है। विभिन्न घरों में बिंदु (बिंदु) वितरित किए जाते हैं, जो दर्शाते हैं कि शनि जीवन के विभिन्न पहलुओं को कैसे प्रभावित करता है। यह विश्लेषण अनुशासन, जिम्मेदारी और दीर्घकालिक उपलब्धियों जैसे क्षेत्रों में शनि की भूमिका पर प्रकाश डालता है। उच्च बिंदुओं वाले घर संकेत देते हैं कि शनि कहाँ मजबूत समर्थन और स्थिर प्रगति प्रदान करता है, जबकि निचले बिंदु उन क्षेत्रों का सुझाव देते हैं जहाँ आपको बाधाओं या देरी का सामना करना पड़ सकता है। शनि बिनष्टकवर्ग आपकी कड़ी मेहनत करने, चुनौतियों का सामना करने और दृढ़ता और संरचना के माध्यम से स्थायी सफलता प्राप्त करने की क्षमता के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

	मेष	वृषभ	मिथुन	कैंसर	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनुराशि	मकर	कुम्भ	मीन
सूरज	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0
चंद्रमा	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	0
मंगल	0	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1
बुध	1	1	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0
बृहस्पति	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0
शुक्र	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0
शनि	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1
लग्न	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0
कुल	5	5	2	6	3	2	5	3	3	1	2	2

महत्व

अनुशासन

धैर्य

कैरियर

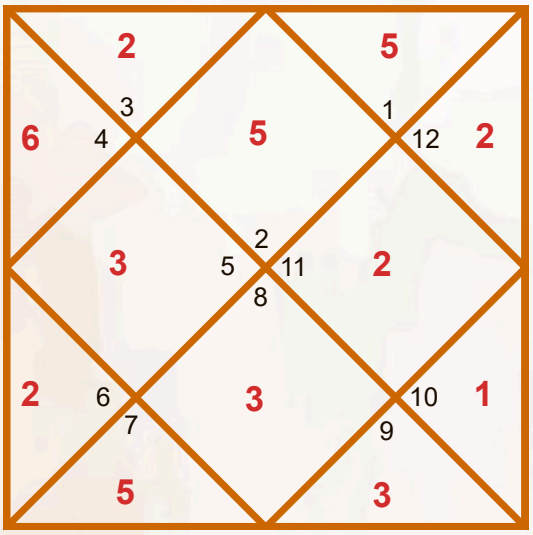

अष्टकवर्ग

	मेष	वृषभ	मिथुन	कैंसर	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनुराशि	मकर	कुम्भ	मीन
सूर्य	5	4	4	4	5	2	4	6	3	4	5	2
चंद्रमा	5	5	4	5	2	5	2	4	6	3	2	6
मंगल	5	3	0	6	4	1	1	4	4	3	5	3
बुध	4	6	3	5	5	5	3	6	4	5	5	3
बृहस्पति	5	4	5	7	5	3	7	3	5	6	3	3
शुक्र	3	6	3	4	3	6	4	4	4	5	5	5
शनि	5	5	2	6	3	2	5	3	3	1	2	2
कुल	32	33	21	37	27	24	26	30	29	27	27	24

Significance

अच्छा (>=30)

मिश्रित (>=20)

खराब (<20)

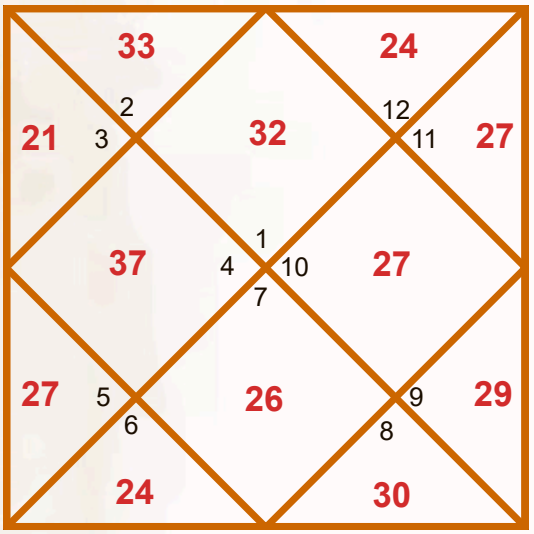

दशा

राहु

प्रारंभ: सोमवार जनवरी 09 1984
समाप्त: मंगलवार जनवरी 08 2002

राहु	शनिवार, 20 सितंबर 1986, 20:30:00
बृहस्पति	सोमवार, 13 फ़रवरी 1989, 09:30:00
शनि	शनिवार, 21 दिसंबर 1991, 06:30:00
बुध	शनिवार, 09 जुलाई 1994, 14:30:00
केतु	शुक्रवार, 28 जुलाई 1995, 02:30:00
शुक्र	सोमवार, 27 जुलाई 1998, 18:30:00
सूर्य	सोमवार, 21 जून 1999, 11:30:00
चंद्रमा	बुधवार, 20 दिसंबर 2000, 07:30:00
मंगल	सोमवार, 07 जनवरी 2002, 18:30:00

बृहस्पति

प्रारंभ: बुधवार जनवरी 09 2002
समाप्त: मंगलवार जनवरी 09 2018

बृहस्पति	गुरुवार, 26 फ़रवरी 2004, 23:30:00
शनि	शनिवार, 09 सितंबर 2006, 06:30:00
बुध	सोमवार, 15 दिसंबर 2008, 04:30:00
केतु	शनिवार, 21 नवंबर 2009, 02:30:00
शुक्र	रविवार, 22 जुलाई 2012, 02:30:00
सूर्य	शुक्रवार, 10 मई 2013, 07:30:00
चंद्रमा	मंगलवार, 09 सितंबर 2014, 07:30:00
मंगल	रविवार, 16 अगस्त 2015, 05:30:00
राहु	सोमवार, 08 जनवरी 2018, 18:30:00

शनि

प्रारंभ: बुधवार जनवरी 10 2018
समाप्त: शनिवार जनवरी 10 2037

शनि	मंगलवार, 12 जनवरी 2021, 14:30:00
बुध	शुक्रवार, 22 सितंबर 2023, 18:30:00
केतु	गुरुवार, 31 अक्टूबर 2024, 14:30:00
शुक्र	शनिवार, 01 जनवरी 2028, 06:30:00
सूर्य	बुधवार, 13 दिसंबर 2028, 06:30:00
चंद्रमा	रविवार, 14 जुलाई 2030, 14:30:00
मंगल	शनिवार, 23 अगस्त 2031, 10:30:00
राहु	गुरुवार, 29 जून 2034, 10:30:00
बृहस्पति	शुक्रवार, 09 जनवरी 2037, 18:30:00

बुध

प्रारंभ: रविवार जनवरी 11 2037
समाप्त: रविवार जनवरी 11 2054

बुध	गुरुवार, 09 जून 2039, 09:30:00
केतु	मंगलवार, 05 जून 2040, 14:30:00
शुक्र	सोमवार, 06 अप्रैल 2043, 10:30:00
सूर्य	बुधवार, 10 फ़रवरी 2044, 21:30:00
चंद्रमा	बुधवार, 12 जुलाई 2045, 07:30:00
मंगल	सोमवार, 09 जुलाई 2046, 12:30:00
राहु	सोमवार, 25 जनवरी 2049, 20:30:00
बृहस्पति	बुधवार, 03 मई 2051, 17:30:00
शनि	शनिवार, 10 जनवरी 2054, 18:30:00

दशा

केतु

प्रारंभ: सोमवार जनवरी 12 2054
समाप्त: बुधवार जनवरी 12 2061

केतु	मंगलवार, 09 जून 2054, 22:30:00
शुक्र	मंगलवार, 10 अगस्त 2055, 02:30:00
सूर्य	बुधवार, 15 दिसंबर 2055, 22:30:00
चंद्रमा	रविवार, 16 जुलाई 2056, 00:30:00
मंगल	मंगलवार, 12 दिसंबर 2056, 04:30:00
राहु	रविवार, 30 दिसंबर 2057, 17:30:00
बृहस्पति	शुक्रवार, 06 दिसंबर 2058, 15:30:00
शनि	गुरुवार, 15 जनवरी 2060, 12:30:00
बुध	मंगलवार, 11 जनवरी 2061, 18:30:00

शुक्र

प्रारंभ: गुरुवार जनवरी 13 2061
समाप्त: सोमवार जनवरी 13 2081

शुक्र	बुधवार, 14 मई 2064, 06:30:00
सूर्य	गुरुवार, 14 मई 2065, 12:30:00
चंद्रमा	गुरुवार, 13 जनवरी 2067, 06:30:00
मंगल	बुधवार, 14 मार्च 2068, 09:30:00
राहु	रविवार, 15 मार्च 2071, 03:30:00
बृहस्पति	सोमवार, 13 नवंबर 2073, 03:30:00
शनि	मंगलवार, 12 जनवरी 2077, 18:30:00
बुध	सोमवार, 13 नवंबर 2079, 15:30:00
केतु	रविवार, 12 जनवरी 2081, 18:30:00

सूर्य

प्रारंभ: मंगलवार जनवरी 14 2081
समाप्त: मंगलवार जनवरी 14 2087

सूर्य	शनिवार, 03 मई 2081, 07:30:00
चंद्रमा	शनिवार, 01 नवंबर 2081, 21:30:00
मंगल	सोमवार, 09 मार्च 2082, 16:30:00
राहु	सोमवार, 01 फ़रवरी 2083, 08:30:00
बृहस्पति	शनिवार, 20 नवंबर 2083, 11:30:00
शनि	बुधवार, 01 नवंबर 2084, 09:30:00
बुध	शुक्रवार, 07 सितंबर 2085, 18:30:00
केतु	रविवार, 13 जनवरी 2086, 13:30:00
शुक्र	सोमवार, 13 जनवरी 2087, 18:30:00

चंद्रमा

प्रारंभ: बुधवार जनवरी 15 2087
समाप्त: सोमवार जनवरी 14 2097

चंद्रमा	शनिवार, 15 नवंबर 2087, 02:30:00
मंगल	मंगलवार, 15 जून 2088, 03:30:00
राहु	बुधवार, 14 दिसंबर 2089, 22:30:00
बृहस्पति	रविवार, 15 अप्रैल 2091, 20:30:00
शनि	शुक्रवार, 14 नवंबर 2092, 02:30:00
बुध	गुरुवार, 15 अप्रैल 2094, 11:30:00
केतु	रविवार, 14 नवंबर 2094, 12:30:00
शुक्र	रविवार, 15 जुलाई 2096, 04:30:00
सूर्य	रविवार, 13 जनवरी 2097, 18:30:00

दशा

मंगल	
प्रारंभ: मंगलवार जनवरी 15 2097 समाप्त: गुरुवार जनवरी 17 2104	
मंगल	बुधवार, 12 जून 2097, 22:30:00
राहु	मंगलवार, 01 जुलाई 2098, 11:30:00
बृहस्पति	रविवार, 07 जून 2099, 09:30:00
शनि	शनिवार, 17 जुलाई 2100, 06:30:00
बुध	गुरुवार, 14 जुलाई 2101, 12:30:00
केतु	शनिवार, 10 दिसंबर 2101, 16:30:00
शुक्र	शुक्रवार, 09 फ़रवरी 2103, 20:30:00
सूर्य	रविवार, 17 जून 2103, 16:30:00
चंद्रमा	बुधवार, 16 जनवरी 2104, 18:30:00

वर्तमान चल रही दशा

दशा नाम	ग्रहों	आरंभ करने की तिथि	अंतिम तिथि
महादशा	शनि	बुधवार, 10 जनवरी 2018	शनिवार, 10 जनवरी 2037
अन्तर्दशा	शुक्र	सोमवार, 04 नवंबर 2024	बुधवार, 05 जनवरी 2028
पर्यन्तर्दशा	मंगल	सोमवार, 20 अक्टूबर 2025	शुक्रवार, 26 दिसंबर 2025
शुक्ष्मादशा	शुक्र	शुक्रवार, 12 दिसंबर 2025	मंगलवार, 23 दिसंबर 2025
प्राणदशा	सूरज	सोमवार, 15 दिसंबर 2025	मंगलवार, 16 दिसंबर 2025

*** नोट: सभी तिथियां दशा की समाप्ति तिथि दर्शाती हैं।**

कालसर्प दोष

कालसर्प दोष क्या है?

राहु और केतु वैदिक ज्योतिष में चंद्र नोड हैं, और भौतिक ग्रह न होने के बावजूद, उन्हें शक्तिशाली आकाशीय प्रभाव माना जाता है। वे कर्म पैटर्न से गहराई से जुड़े हुए हैं और अक्सर उनके तीव्र और परिवर्तनकारी प्रभावों के कारण उनसे डर लगता है। जब कुंडली में सभी सात ग्रह (सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र और शनि) राहु और केतु के बीच स्थित होते हैं, तो यह काल सर्प योग के रूप में जानी जाने वाली स्थिति बनाता है। माना जाता है कि यह संरेखण महत्वपूर्ण चुनौतियाँ और बाधाएँ लाता है, हालाँकि कुछ मामलों में, यह उल्लेखनीय सकारात्मक परिणाम भी दे सकता है। राहु और केतु को अचानक, जीवन बदलने वाली घटनाओं को उत्पन्न करने की उनकी क्षमता के लिए जाना जाता है। ये बदलाव या तो अत्यधिक लाभकारी या विघटनकारी हो सकते हैं, जो अक्सर अप्रत्याशित रूप से या बहुत कम समय सीमा के भीतर होते हैं। उनका प्रभाव नाटकीय है, जो उन्हें ज्योतिषीय विश्लेषण में विचार करने के लिए महत्वपूर्ण बिंदु बनाता है।

कालसर्प दोष: false

प्रतिक्रिया: आपको काल-सर्प दोष नहीं है

कालसर्प दोष के उपाय:

1. काल सर्प दोष निवारण पूजा की सिफारिश की जाती है। जिस व्यक्ति की कुंडली में कालसर्प योग है, उसे नियमित रूप से भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए और बेहतर परिणाम के लिए, व्यक्ति भगवान शिव के मूल मंत्र का जाप भी कर सकता है। 'ओम नमः शिवाय' (ॐ नमः शिवाय)) यह मंत्र काल सर्प दोष निवारण मंत्र के रूप में कार्य करता है। जो छात्र कालसर्प योग के दुष्प्रभाव से प्रभावित हैं उन्हें देवी सरस्वती के मूल मंत्र का जाप करना चाहिए मूल मंत्र छात्रों की एकाग्रता शक्ति को बढ़ाएगा और परिणामस्वरूप, वे बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे।

2. काल सर्प दोष निवारण पूजा की सिफारिश की जाती है। किसी शुभ मुहूर्त में, कोयले के तीन टुकड़े बहते पानी में एक-एक करके प्रवाहित करें। यह सबसे अच्छे कालसर्प दोष उपचारों में से एक है। इससे कालसर्प दोष का प्रभाव समाप्त हो जाएगा। जातक की कुंडली से काल सर्प दोष दूर हो जाता है और वह अधिक शांतिपूर्ण और खुशहाल जीवन जीने में सक्षम हो जाता है। जो जातक काल सर्प योग से पीड़ित हैं उनके लिए नियमित रूप से 108 बार हनुमान चालीसा का जाप करना अत्यधिक लाभकारी होता है। जो लोग इस योग से प्रभावित हैं योग भगवान हनुमान के मंदिर भी जा सकते हैं और भगवान हनुमान की मूर्ति से सिंदूर का तिलक लगा सकते हैं।

3. काल सर्प दोष निवारण पूजा की सलाह दी जाती है। रुद्राक्ष की माला पर महामृत्युंजय मंत्र का 108 बार जाप करने से जातक को इससे छुटकारा पाने में मदद मिलेगी। कालसर्प योग.'ॐ तयम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्। उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर् मुक्षीय मामृतात्'।

4. घर में मोर का पंख रखने से कालसर्प योग का प्रभाव कम होता है। बच्चे अपनी एकाग्रता बढ़ाने के लिए इसे अपनी किताबों में भी रख सकते हैं।

5. हर शनिवार को शनिदेव की पूजा करने और शनिदेव के मूल मंत्र का जाप करने से काल सर्प योग का प्रभाव कम होता है। लोग शनिदेव को तिल और काले चने भी चढ़ा सकते हैं। भगवान शनि.'ओम शनि चराय नमः'

6. काल सर्प दोष निवारण पूजा की सलाह दी जाती है। काल सर्प योग से छुटकारा पाने के लिए शुभ मुहूर्त में अपने घर में काल सर्प योग यंत्र स्थापित करें। आप इस मूल मंत्र का जाप भी कर सकते हैं। यंत्र को सक्रिय करना। “ब्रह्मा मूरि त्रिपुरांतकारी भानुः शशिः भूमिसुतो बुधश्च”

7. नाग पंचमी पर पूजा करें और पूजा के बाद, सुनिश्चित करें कि सपेरा सांप को खुले मैदान में छोड़ दे।

मांगलिक दोष

मांगलिक दोष क्या है?

वैदिक ज्योतिष में, मांगलिक दोष तब होता है जब मंगल, सूर्य, शनि, राहु या केतु किसी व्यक्ति की कुंडली के विशिष्ट घरों में स्थित होते हैं: लग्न (पहला घर), चौथा घर, सातवां घर, आठवां घर या बारहवां घर। माना जाता है कि यह स्थिति असंतुलन पैदा करती है, खासकर विवाह और रिश्तों में। लग्न में मंगल का प्रभाव तब अधिक तीव्र माना जाता है जब मंगल लग्न में चंद्रमा के साथ संयुक्त होता है। यदि लड़का और लड़की दोनों की कुंडली में मांगलिक दोष है, और ज्योतिषीय सिद्धांतों के अनुसार इसे रद्द कर दिया जाता है, तो उनकी शादी सामंजस्यपूर्ण और सफल होने की संभावना है। हालाँकि, यदि मांगलिक दोष का समाधान नहीं किया जाता है, तो यह विवाहित जीवन में अनावश्यक चुनौतियाँ, संघर्ष या देरी ला सकता है। एक खुशहाल और स्थिर विवाह सुनिश्चित करने के लिए, विवाह से पहले कुंडली का सावधानीपूर्वक मिलान करना महत्वपूर्ण है। जब मांगलिक दोष को ठीक से संबोधित किया जाता है और उसे समाप्त कर दिया जाता है, तो माना जाता है कि यह व्यक्ति के विवाहित जीवन में शांति, समृद्धि और स्थिरता लाता है।

मांगलिक प्रतिशत: 35%

प्रतिक्रिया: आप 35% मांगलिक हैं।

ग्रहों पर आधारित

1. मंगल ग्रह से मांगलिक: true
2. शनि द्वारा मांगलिक: false
3. राहु और केतु द्वारा मांगलिक: true

पहलुओं पर आधारित

1. 7th भाव में मंगल की दृष्टि 10th, 1st, और 2nd भाव पर है।
2. 11th भाव में शनि की दृष्टि 1st, 5th, और 8th भाव पर है।
3. 12th भाव में राहु की दृष्टि 4th और 8th भाव पर है।
4. 6th भाव में केतु की दृष्टि 10th और 2nd भाव पर है।

मांगलिक दोष के उपाय:

1. यदि दोनों साथी मांगलिक हैं तो यह दोष समाप्त हो जाता है। इसके सभी बुरे प्रभाव समाप्त हो जाते हैं और दोनों का वैवाहिक जीवन सुखमय और खुशहाल हो सकता है।
2. जब विवाह में कोई एक व्यक्ति मांगलिक होता है, तो कुंभ विवाह नामक इस अनुष्ठान को करने से मंगल दोष के नकारात्मक प्रभाव समाप्त हो सकते हैं। हिंदू वैदिक ज्योतिष के अनुसार मांगलिक व्यक्ति का विवाह केले के पेड़, पीपल के पेड़ या भगवान विष्णु की चांदी/सोने की मूर्ति से कराया जाता है।
3. सभी उपायों में से मंगलवार का व्रत भी एक कारगर उपाय माना जाता है। इस दिन व्रत रखने वाले मांगलिक व्यक्तियों को केवल तुअर दाल खानी चाहिए
4. मंगल ग्रह के मंत्र का जाप मंगलवार को करना चाहिए जिसे मंगल मंत्र के रूप में जाना जाता है। वे प्रतिदिन गायत्री मंत्र का 108 बार जाप भी कर सकते हैं या हनुमान चालीसा का प्रतिदिन जाप कर सकते हैं।
5. नवग्रह मंदिरों में जाने से मंगल दोष के कारण होने वाले बुरे प्रभाव कम होते हैं। सबसे लोकप्रिय मंदिर तमिलनाडु में स्थित हैं। कुछ मंदिर असम के गुवाहाटी में भी स्थित हैं। मंदिर में घी का दीपक भी जलाएं।
6. दाहिने हाथ की अनामिका में चमकीले लाल मूंगे के साथ सुनहरी अंगूठी पहनें। हालांकि, इसे पहनने से पहले किसी विश्वसनीय ज्योतिषी से कुंडली का गहन विश्लेषण करवा लें।

पितृ दोष

पितृ दोष क्या है?

वैदिक ज्योतिष में, पितृ दोष को पूर्वजों के अधूरे कर्तव्यों या अनसुलझे मुद्दों के परिणामस्वरूप होने वाला कर्म ऋण माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि यह तब होता है जब जन्म कुंडली में विशिष्ट ग्रह संयोजन दिखाई देते हैं, खासकर जब राहु या केतु कुछ घरों में स्थित होते हैं या सूर्य जैसे प्रमुख ग्रहों के साथ संयुक्त होते हैं। यह दोष अक्सर पिछली पीढ़ियों द्वारा अधूरे छोड़े गए पिछले पारिवारिक दायित्वों या कर्मों को संबोधित करने की आवश्यकता को दर्शाता है। पितृ दोष जीवन के विभिन्न पहलुओं, जैसे स्वास्थ्य, करियर, वित्त या रिश्तों में कठिनाइयों का कारण बनता है। यह परिवार के भीतर बार-बार आने वाली चुनौतियों या बाधाओं के रूप में भी प्रकट हो सकता है। हालाँकि, यह दोष एक अभिशाप नहीं है, बल्कि आध्यात्मिक विकास और पैतृक बोझ के समाधान के लिए एक आह्वान है। विशिष्ट उपायों और अनुष्ठानों के माध्यम से, जैसे कि पितृ तर्पण करना या ज़रूरतमंदों को दान करना, पितृ दोष के प्रभावों को कम या समाप्त किया जा सकता है। इस दोष को संबोधित करने से पूर्वजों को शांति मिल सकती है, लंबित मुद्दों को हल किया जा सकता है और परिवार में सद्भाव और समृद्धि को आमंत्रित किया जा सकता है।

क्या दोष मौजूद है: false

प्रतिक्रिया: आपकी कुंडली में पितृ दोष नहीं है.

प्रभाव

1. बच्चों को मानसिक और शारीरिक विकलांगता का सामना करना पड़ सकता है।
2. प्रतिकूल वातावरण और जीवन साथी के साथ बहस।
3. विवाह में देरी।
4. लगातार बीमारी के कारण आर्थिक और शारीरिक समस्याएँ।
5. प्रयासों में सफलता की कमी।
6. लगातार आर्थिक समस्याएँ।
7. साँप या पूर्वजों द्वारा भोजन या कपड़े माँगने से संबंधित सपने।

पितृ दोष के उपाय:

1. बरगद के पेड़ पर नियमित रूप से जल चढ़ाएं।
2. दोष के प्रभाव को कम करने के लिए व्रत रखें।
3. पूजा या मंत्र जाप का आयोजन करें।
4. अमावस्या पर ब्राह्मणों को भोजन कराएं।
5. भोजन, कंबल और कपड़े दान करें।
6. गाय, कुत्ते, कौवे और चींटियों को भोजन कराएं।
7. त्रपंडी श्राद्ध पूरा करें।
8. गरीबों और ज़रूरतमंदों की मदद करें।
9. नवरात्रि पर विशेष रूप से देवी कालिका स्तोत्र का जाप करें।
10. धार्मिक स्थानों पर अनुष्ठान करें।
11. उगते सूर्य को तिल के साथ जल चढ़ाएं और गायत्री मंत्र का जाप करें।

साढ़ेसाती

साढ़ेसाती दोष क्या है?

साढ़े साती साढ़े सात साल की अवधि को संदर्भित करती है, जिसमें शनि तीन राशियों से गुजरता है, चंद्र राशि, चंद्रमा से एक पहले की राशि और एक उसके बाद की राशि। साढ़े साती तब शुरू होती है जब शनि (शनि) जन्म चंद्र राशि से 12वीं राशि में प्रवेश करता है और तब समाप्त होती है जब शनि जन्म चंद्र राशि से 2वीं राशि छोड़ता है। चूँकि शनि एक राशि में गोचर करने में लगभग ढाई साल का समय लेता है, जिसे शनि की ढैय्या कहा जाता है, इसलिए तीन राशियों में गोचर करने में इसे लगभग साढ़े सात साल लगते हैं और इसीलिए इसे साढ़े साती के रूप में जाना जाता है। आम तौर पर साढ़े साती जीवनकाल में कुंडली में तीन बार आती है - पहली बचपन में, दूसरी युवावस्था में और तीसरी बुढ़ापे में। पहली साढ़े साती का शिक्षा और माता-पिता पर प्रभाव पड़ता है। दूसरी साढ़े साती का पेशे, वित्त और परिवार पर प्रभाव पड़ता है।

प्रतिक्रिया: यह आपका दूसरा साढ़े साती अवधि है। इस अवधि में आपको अपने पेशेवर जीवन में चुनौतियों और वित्तीय अस्थिरता का सामना करना पड़ सकता है। हालाँकि, कड़ी मेहनत और धैर्य के साथ, आप इन बाधाओं को पार कर सकते हैं और सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

1. क्या साढ़ेसाती चल रही है: true
2. शनि काल प्रकार: दूसरा
3. विवरण: साढ़े साती वह साढ़े सात साल की अवधि है जिसमें शनि तीन राशियों में से गुजरता है - चंद्र राशि, उसके पहले की राशि और उसके बाद की राशि। साढ़े साती तब शुरू होती है जब शनि (शनि) जन्म की चंद्र राशि से 12वीं राशि में प्रवेश करता है और तब समाप्त होता है जब शनि जन्म की चंद्र राशि से 2वीं राशि से निकलता है। चूंकि शनि को एक राशि से दूसरी राशि में जाने में लगभग ढाई साल का समय लगता है, जिसे शनि की ढैया कहा जाता है, इसलिए तीन राशियों में पारगमन करने में लगभग साढ़े सात साल लगते हैं और इसे साढ़े साती कहा जाता है। आम तौर पर साढ़े साती जीवनकाल में तीन बार आती है - पहली बार बचपन में, दूसरी बार युवावस्था में और तीसरी बार बुढ़ापे में। पहली साढ़े साती का प्रभाव शिक्षा और माता-पिता पर पड़ता है। दूसरी साढ़े साती का प्रभाव पेशे, वित्त और परिवार पर पड़ता है। अंतिम साढ़े साती का प्रभाव स्वास्थ्य पर अधिक होता है।
4. शनि वक्री: false
5. सूर्य राशि: तुला
6. राशि: कुम्भ

साढ़ेसाती दोष के उपाय:

1. शनि मूल मंत्र का प्रतिदिन 108 बार जाप करें, 'ऊँ शं शनैश्चराय नमः'
2. शनिवार को नवग्रह स्तोत्र से शनि मंत्र का 108 बार जाप करें, 'नीलंजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम। छाया मार्तंडसंभूतं तं नमामि शनैश्चरम'
3. शनिवार को उपवास करें, केवल उड़द की दाल खाएं और शनि चालीसा का जाप करें
4. शनिवार के दिन गरीबों और दिव्यांगों को उड़द की दाल और काले कपड़े दान करें
5. हनुमान जयंती या शनि अमावस्या पर हवन करके भी शनिदेव की पूजा की जा सकती है

रत्न सुझाव

ज्योतिष में प्रत्येक ग्रह एक विशिष्ट रत्न से जुड़ा होता है जो ग्रह के समान ऊर्जा और ब्रह्मांडीय रंग रखता है। माना जाता है कि ये रत्न ग्रह की ऊर्जा के साथ शक्तिशाली तरीके से बातचीत करते हैं। सही रत्न पहनकर, व्यक्ति अपने जीवन में ग्रह के सकारात्मक प्रभाव को मजबूत कर सकता है। रत्न या तो सकारात्मक ऊर्जा को शरीर में वापस परावर्तित करके या हानिकारक कंपन को अवशोषित करके सुरक्षात्मक प्रभाव पैदा करके काम करते हैं। जब पहना जाता है, तो वे एक फिल्टर के रूप में कार्य करते हैं, जिससे केवल लाभकारी ऊर्जा ही गुजर पाती है और पहनने वाले को प्रभावित करती है। यह ग्रहों की ऊर्जा को संतुलित करने में मदद करता है, कुंडली में ग्रह की भूमिका के आधार पर स्वास्थ्य, सफलता और कल्याण जैसे क्षेत्रों को बढ़ाता है।

सुझाए गए रत्न

जीवन पत्थर

मोती

लग्न, जिसे लग्न के नाम से भी जाना जाता है, भौतिक शरीर और उससे जुड़ी हर चीज का प्रतिनिधित्व करता है, जैसे कि स्वास्थ्य, दीर्घायु, प्रतिष्ठा, स्थिति और समग्र जीवन यात्रा। यह पूरी कुंडली की नींव के रूप में कार्य करता है और किसी व्यक्ति के जीवन सार को समझने की कुंजी रखता है। लग्नेश से जुड़ा रत्न, जो लग्न का शासक ग्रह है, को 'लाइफ स्टोन' के नाम से जाना जाता है। माना जाता है कि यह विशेष पत्थर लग्नेश की सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है और पहनने वाले की भलाई और सफलता का समर्थन करता है। जीवन भर लगातार लाइफ स्टोन पहनने से इसके लाभों को अधिकतम करने में मदद मिल सकती है, जिसमें बेहतर स्वास्थ्य, मजबूत जीवन शक्ति और जीवन के उद्देश्य के साथ बेहतर संरेखण शामिल है।

भाग्यशाली पत्थर

लाल मूंगा

जन्म कुंडली में पाँचवाँ भाव सबसे अनुकूल और सकारात्मक भावों में से एक माना जाता है। यह बुद्धि, उच्च शिक्षा, रचनात्मकता, बच्चों और अप्रत्याशित लाभ, जैसे पुरस्कार जीतना या अचानक वित्तीय लाभ से जुड़ा हुआ है। यह भाव पूर्व पुण्य कर्मों का भी प्रतिनिधित्व करता है, जो पिछले जन्मों में किए गए अच्छे कर्म हैं। नतीजतन, पाँचवाँ भाव आशीर्वाद और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। पाँचवें भाव पर शासन करने वाले ग्रह से जुड़ा रत्न 'भाग्यशाली रत्न' के रूप में जाना जाता है। माना जाता है कि इस रत्न को पहनने से इस भाव के सकारात्मक प्रभाव बढ़ते हैं, जिससे बेहतर बुद्धि, रचनात्मकता और समृद्धि के अवसर जैसे लाभ मिलते हैं। यह पिछले अच्छे कर्मों के संबंध को भी मजबूत कर सकता है, जिससे यह सफलता और खुशी को आकर्षित करने का एक शक्तिशाली साधन बन जाता है।

फॉर्च्यून स्टोन

पीला पुखराज

जन्म कुंडली में नौवें भाव को भाग्य स्थान या किस्मत और भाग्य का भाव कहा जाता है। यह व्यक्ति के भाग्य, सफलता और जीवन में उपलब्धियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह भाव बुद्धि, ज्ञान, आध्यात्मिक विकास और पिछले जन्मों में किए गए अच्छे कर्मों के परिणामस्वरूप मिलने वाले पुरस्कारों जैसे क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है। इसे अक्सर आशीर्वाद और समृद्धि का भाव माना जाता है। नौवें भाव पर शासन करने वाले ग्रह से जुड़े रत्न को 'भाग्य रत्न' कहा जाता है। माना जाता है कि इस रत्न को पहनने से इस भाव के सकारात्मक प्रभाव बढ़ते हैं, जिससे किस्मत, सफलता और अनुकूल अवसर आकर्षित होते हैं। यह पहनने वाले को उनके भाग्य के साथ संरेखित करने में भी मदद करता है, जिससे वे अपने पिछले अच्छे कार्यों के पुरस्कारों का आनंद ले पाते हैं।

जीवन पत्थर

मोती

उँगलिया	अनामिका/गर्दन
वज़न	केवल 2, 4, 6 या 11 कैरेट
विकल्प	चन्द्रकान्त मणि,सफेद नीलमणि

धातु	चाँदी
दिन	सोमवार
ग्रह	चंद्र

इसके साथ नहीं पहनना चाहिए : हीरा,पन्ना,नीलमणि,लहसुनिया
अच्छा परिणाम : भावनात्मक स्थिरता, वित्तीय समृद्धि, सकारात्मक भाग्य, पावती and कुख्याति

विवरण

सीप के अंदर मोती तब बनता है जब कोई विदेशी वस्तु उसके खोल में प्रवेश करती है। खुद को बचाने के लिए, सीप समय के साथ वस्तु को नैक्रे की परतों से ढक देती है। सीप को मूल्यवान बनने लायक बड़ा मोती बनाने में कई साल लग सकते हैं। सबसे अच्छे मोती वे होते हैं जिनके केंद्र में कोई विदेशी सामग्री नहीं होती। मोती आठ अलग-अलग स्रोतों से आते हैं: स्काई पर्ल, कोबरा पर्ल, बैम्बू पर्ल, हॉग पर्ल, एलिफेंट पर्ल, शंख पर्ल, फिश पर्ल और ऑयस्टर पर्ल। अगर मोती में दोष हो तो इसका आपके जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

तरीका

पहली बार अंगूठी पहनने से पहले इसे कुछ देर के लिए गाय के कच्चे दूध में भिगो दें, फिर इसे गंगा जल, बारिश के पानी या तांबे के बर्तन में रखे पानी से धो लें। धोने के बाद अंगूठी को एक सफेद कपड़े पर रखें जिस पर सफेद चंदन से चंद्र यंत्र बना हुआ हो। अंगूठी को उसी सफेद कपड़े पर उत्कीर्ण चांदी यंत्र के सामने रखें।

मंत्र: ऊँ सोम सोमाय नमः ऊँ

पहनने का समय

मोती खरीदने का सबसे अच्छा दिन सोमवार है, बढ़ते चंद्रमा के चरण के दौरान, खासकर जब चंद्रमा पुष्य, रोहिणी, हस्त या श्रवण नक्षत्र में होता है। रविवार और गुरुवार भी अच्छे विकल्प हैं, लेकिन शनिवार की बिल्कुल भी अनुशंसा नहीं की जाती है। मोती को चांदी में, खुली पीठ वाले डिज़ाइन के साथ जड़ा जाना चाहिए ताकि उंगली पर पहनने पर यह त्वचा को छू सके।

भाग्यशाली पत्थर

लाल मूंगा

उँगलिया	अनामिका/गर्दन
वज़न	3 से 6 कैरेट
विकल्प	कारेलियन पत्थर,लाल सुलेमानी पत्थर,लाल गोमेद

धातु	सोना/चांदी
दिन	मंगलवार
ग्रह	मंगल ग्रह

इसके साथ नहीं पहनना चाहिए : नीलमणि,लहसुनिया,पन्ना,हीरा,हेसोनाइट
अच्छा परिणाम : बहादुरी, आकर्षण, मार्गदर्शन, त्वरित प्रगति and उपलब्धि

विवरण

सीप के अंदर मोती तब बनता है जब कोई विदेशी वस्तु उसके खोल में प्रवेश करती है। खुद को बचाने के लिए, सीप समय के साथ वस्तु को नैक्रे की परतों से ढक देती है। सीप को मूल्यवान बनने लायक बड़ा मोती बनाने में कई साल लग सकते हैं। सबसे अच्छे मोती वे होते हैं जिनके केंद्र में कोई विदेशी सामग्री नहीं होती। मोती आठ अलग-अलग स्रोतों से आते हैं: स्काई पर्ल, कोबरा पर्ल, बैम्बू पर्ल, हॉग पर्ल, एलिफेंट पर्ल, शंख पर्ल, फिश पर्ल और ऑयस्टर पर्ल। अगर मोती में दोष हो तो इसका आपके जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

तरीका

पहली बार अंगूठी पहनने से पहले इसे कुछ देर के लिए गाय के कच्चे दूध में भिगो दें, फिर इसे गंगा जल, बारिश के पानी या तांबे के बर्तन में रखे पानी से धो लें। धोने के बाद अंगूठी को एक सफेद कपड़े पर रखें जिस पर सफेद चंदन से चंद्र यंत्र बना हुआ हो। अंगूठी को उसी सफेद कपड़े पर उत्कीर्ण चांदी यंत्र के सामने रखें।.

मंत्र: ऊँ सोम सोमाय नमः ऊँ

पहनने का समय

मोती खरीदने का सबसे अच्छा दिन सोमवार है, बढ़ते चंद्रमा के चरण के दौरान, खासकर जब चंद्रमा पुष्य, रोहिणी, हस्त या श्रवण नक्षत्र में होता है। रविवार और गुरुवार भी अच्छे विकल्प हैं, लेकिन शनिवार की बिल्कुल भी अनुशंसा नहीं की जाती है। मोती को चांदी में, खुली पीठ वाले डिज़ाइन के साथ जड़ा जाना चाहिए ताकि उंगली पर पहनने पर यह त्वचा को छू सके।

भाग्य का पत्थर

पीला नीलम

उँगलिया	अनामिका
वज़न	3 कैरेट से ऊपर (6,11 या 15 कैरेट को छोड़कर)
विकल्प	पुखराज,पीला मोती,सिट्रीन,पीला टूमलाइन,पीला जिक्रोन

धातु	सोना
दिन	गुरुवार
ग्रह	बृहस्पति

इसके साथ नहीं पहनना चाहिए : हीरा,नीलमणि,गोमेधा,लहसुनिया
अच्छा परिणाम : ज्ञान, लंबा जीवन, आनंद, धन and आदर करना

विवरण

पीला नीलम एक प्रकार का कोरंडम है और इसका माणिक और नीले नीलम से गहरा संबंध है। यह पीले, सुनहरे और नारंगी रंगों में आता है, और इसका एक रंगहीन संस्करण भी है जिसे सफेद नीलम कहा जाता है। सबसे वांछनीय पीला नीलम नींबू-पीला रंग माना जाता है।

तरीका

पहली बार अंगूठी पहनने से पहले इसे कुछ मिनट के लिए गाय के दूध में भिगो दें, फिर इसे बारिश के पानी, झरने के पानी या रात भर तांबे के बर्तन में रखे पानी से धो लें। एक बार जब यह साफ हो जाए, तो अंगूठी को एक पीले कपड़े पर रखें, जिस पर रोली से बृहस्पति यंत्र बना हो। साथ ही उसी कपड़े पर चांदी की प्लेट पर बृहस्पति का यंत्र या स्वर्ण उत्कीर्णित मूर्ति भी स्थापित करें। अंत में बृहस्पति मंत्र का जाप करते हुए अंगूठी में रखे यंत्र और रत्न की पूजा करें।

मंत्र: ऊँ बृं बृहस्पतये नमः ऊँ

पहनने का समय

आपको पीला नीलम गुरुवार को चंद्रमा के बढ़ते चरण के दौरान खरीदना चाहिए जब पुष्य नक्षत्र सक्रिय हो। यदि पुष्य उपलब्ध नहीं है, तो पुनर्वसु, विशाखा, या पूर्वा भाद्रपद भी पीला नीलम खरीदने के लिए अच्छे विकल्प हैं। रत्न को उसी दिन सूर्योदय से पूर्वाह्न 11:00 बजे के बीच जौहरी को सौंप दें। पीली नीलम की अंगूठी पहनने का सबसे अच्छा समय सुबह का होता है।

रुद्राक्ष रिपोर्ट

7 मुखी: महालक्ष्मी रुद्राक्ष,14 मुखी: हनुमान रुद्राक्ष

सुझाया गया रुद्राक्ष: 7 मुखी

गुण: 7 मुखी: धन और प्रचुरता,14 मुखी: अंतर्ज्ञान क्षमता को बढ़ाता है, नुकसान से बचाता है

प्रतिक्रिया: वित्तीय स्थिरता के लिए 7 मुखी और नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षा के लिए 14 मुखी पहनें।

पहनने का समय: शनिवार की सुबह

कैसे पहनें: शुद्धि के बाद शनिवार को धारण करें

शुद्धिकरण: पानी या दूध में भिगोएँ, कपड़े से साफ़ करें, सुगंध लगाएँ, फूल और धूप चढ़ाएँ, मंत्र का जाप करें, भगवान शिव से प्रार्थना करें और रुद्राक्ष पहनें।

मंत्र: *7 मुखी: 'ओम हूम नमः'*

अनुकूल अंक

4	9	5
भाग्यांक	मूलांक संख्या	नाम संख्याr

अंकज्योतिष विवरण	
नाम	synilogic
जन्मतिथि	27/10/2001
कट्टरपंथी शासक	मंगल
मैत्रीपूर्ण संख्याएँ	2,3,9
तटस्थ संख्याएँ	5
शत्रु संख्या	4,6,8
अनुकूल पत्थर	मूंगा [मूंगा] (लाल)
अनुकूल दिन	मंगलवार, गुरुवार, शुक्रवार
अनुकूल दिशा	दक्षिण
अनुकूल अक्षर	I, R
अनुकूल देव	भगवान हनुमान/भगवान कार्तिकेय
अनुकूल रंग	लाल
अनुकूल तत्व	अग्नि
अनुकूल संकेत	मेष, वृश्चिक
अनुकूल मंत्र	ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः

अंकज्योतिष रिपोर्ट

मूलांक संख्या

अंक ज्योतिष में आपका सबसे महत्वपूर्ण अंक वह तारीख है जिस दिन आपका जन्म हुआ है। यह अंक आपके चरित्र, व्यक्तित्व और व्यक्तित्व के महत्वपूर्ण तत्वों की पहचान कर सकता है। यह अंक आपके समग्र अस्तित्व के मूल तत्वों को निर्धारित करता है। जैसे कि आप दबंग हैं या शर्मीले, नेता हैं या अनुयायी। इसका कारण यह है कि प्रत्येक अंक का अपना स्वभाव और व्यक्तिगत कंपन होता है। सावधानीपूर्वक विश्लेषण के बाद, हमने आपका अंक ज्योतिष जन्म अंक इस प्रकार निकाला है: आपका मूलांक 9 है। इस अंक में जन्म लेने के कारण आपको अपनी ऊर्जा और शक्तियाँ मूलांक 9 के स्वामी मंगल से मिलती हैं, जो आपको साहसी और कठिनाइयों से नहीं डरने वाला बनाता है। आपने शासन करने या लोगों का नेतृत्व करने की कला में महारत हासिल की है। हालाँकि, आप थोड़े गुस्सैल स्वभाव के हो सकते हैं, जिसके कारण आपको अक्सर विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। आपके अंदर फुर्ती और जल्दबाज़ी है। आपका जीवन संघर्षों से भरा है और आपके शत्रुओं की संख्या भी अधिक है। हालाँकि, आप अपने साहस के बल पर इन सबका सामना कर सकते हैं। आप स्वतंत्र रहना पसंद करते हैं और दूसरों से आसानी से प्रभावित नहीं होते हैं। आपको सलाह दी जाती है कि आप चालाक लोगों से सावधान रहें। आप प्यार और सहानुभूति पाने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं, लेकिन अपनी आलोचना बर्दाश्त नहीं कर सकते। इसलिए आपको खुद पर नियंत्रण रखने की कोशिश करनी चाहिए क्योंकि आप अत्यधिक गुस्से में किसी भी हद तक जा सकते हैं। अगर आप अपने गुस्से पर नियंत्रण रखने में सफल हो जाते हैं, तो आप जीवन में बहुत भाग्यशाली और सफल होंगे।

भाग्यांक

आपके जीवन में बहुत से उतार-चढ़ाव आते हैं और कई अचानक घटनाएं भी घटती हैं, जो आपके लिए अच्छे और बुरे दोनों तरह के परिणाम लेकर आती हैं। आप अपने जीवन में सफलता की ऊंचाइयों को आसानी से छू सकते हैं, लेकिन दूसरी ओर षड्यंत्र आपको नीचे भी गिरा सकते हैं। आपका नज़रिया दूसरों से अलग है, जो आपको हर जगह आकर्षण का केंद्र बनाता है। आप विद्रोही स्वभाव के हैं, आप प्रचलित कानूनों और रीति-रिवाजों का विरोध करते हैं और लगातार नए नियम बनाने की कोशिश करते रहते हैं। आप एक तेज दिमाग वाले बुद्धिमान व्यक्ति हैं, इसलिए आपको बहुत संवेदनशील और भावुक होने से बचना चाहिए, साथ ही निराशावादी सोच से भी दूर रहना चाहिए। आपको न केवल अवसरों को पहचानना सीखना होगा, बल्कि अपनी आक्रामकता को भी नियंत्रण में रखना होगा।

नाम संख्या

नाम अंक ज्योतिष संख्या 5 बदलाव और स्वतंत्रता का प्रतीक है। इस संख्या की अनुपस्थिति परिवर्तन के प्रति प्रतिरोध को दर्शाती है और व्यक्ति को अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलने से बचने का कारण बनती है। दूसरी ओर, चार्ट में इस संख्या की अधिकता यह दर्शाती है कि व्यक्ति अपनी स्वतंत्रता और स्वायत्तता का दुरुपयोग कर रहा है। ऐसा व्यक्ति जो कुछ भी पसंद करता है, उसमें अत्यधिक लिप्त होने की प्रवृत्ति रखता है, चाहे वह शारीरिक सुख हो, शराब हो या ड्रग्स। ऐसे लोगों के लिए लत एक बहुत ही वास्तविक संभावना है। चार्ट में पर्याप्त संख्या में 5 होने से यह संकेत मिलता है कि व्यक्ति के पास बेहतरीन समय प्रबंधन क्षमताएँ हैं। नाम अंक ज्योतिष संख्या 5 वाले आमतौर पर अच्छी तरह से स्थापित कार्य और आनंद कार्यक्रम वाले अच्छे समय प्रबंधक होते हैं। नाम अंक ज्योतिष संख्या 5 वाले आत्मनिर्भर व्यक्ति होते हैं जो परिवर्तन का आनंद लेते हैं और इसे अपने जीवन में विविधता और स्वाद के स्रोत के रूप में अपनाते हैं।

शुभ स्थान

दक्षिण दिशा वह दिशा है जो आपको जीवन में सफलता, खुशी और शांति प्रदान करेगी। इसलिए, यदि आप अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहते हैं या जीवन में प्रगति करना चाहते हैं, तो आपको अपने जन्म स्थान से इस दिशा में प्रयास करना चाहिए। इंडोनेशिया जैसे आपके दक्षिण में स्थित देश, शहर और राज्य आपको अनुकूल परिणाम देंगे।

स्वास्थ्य

आप पूर्ण अंक 9 के अंतर्गत पैदा हुए हैं, और यह आपको स्वाभाविक रूप से ऊर्जावान बनाता है। परिणामस्वरूप आप आम तौर पर स्वस्थ रहते हैं, लेकिन दूसरी ओर आप आसानी से क्रोधित हो जाते हैं या अक्सर अपने कामों को जल्दबाजी में पूरा करते हैं, जिसका असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ता है। मुख्य रूप से, आपको रक्त संबंधी समस्याओं, चोटों, चेचक, चिकन पॉक्स का सामना करना पड़ सकता है, या यहां तक कि आपको किसी प्रकार की सर्जरी भी करवानी पड़ सकती है।

शुभ समय

चूँकि मंगल आपके अंक का स्वामी है, इसलिए जनवरी से फरवरी, मार्च से अप्रैल और नवंबर से दिसंबर का समय आपके लिए काफी शुभ रहेगा। इस दौरान किए गए किसी भी कार्य से आपको सफलता की नई ऊँचाइयाँ मिलेंगी और आप जीवन में तरक्की करेंगे।

आजीविका

आपकी संख्या लाल ग्रह मंगल से प्रभावित है, इसलिए, आपको अपने जीवन में बहुत प्यार मिला है क्योंकि आप नेतृत्व गुणों से परिपूर्ण हैं और आपके अंदर एक निश्चित जीवन ऊर्जा है, जो आपको जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में आगे ले जाएगी।

व्रत एवं उपाय

शुक्ल पक्ष में पड़ने वाले मंगलवार से शुरू करके 19 या 21 मंगलवार व्रत रखना चाहिए। इस दिन केवल एक बार भोजन करें और कुछ मीठा खाना अधिक लाभकारी होगा। लाल रंग के कपड़े पहनें और मंगल के बीज मंत्र का जाप करें। साथ ही इस दिन छोटे बच्चों को गुड़ और चने का प्रसाद खिलाएं।

यंत्र

आपका मूल अंक 9 है, जिसका अर्थ है कि आपका स्वामी ग्रह मंगल है। मंगल से अनुकूल परिणाम और दिव्य आशीर्वाद की प्राप्ति के लिए, आपको मंगल यंत्र को मंगल की होरा और नक्षत्रों में धारण करना चाहिए, जहाँ नक्षत्र मृगशिरा, चित्रा और धनिष्ठा हैं।

विवरण	
पाधान	कर्क
लॉर्ड	चंद्रमा
लॉर्ड हाउस स्थान	8
प्रभु शक्ति	तटस्थ
प्रतीक	केकड़ा
राशि चक्र लक्षण	जंगम, जलमय, उत्तर
भाग्यशाली रत्न	मोती
उपवास का दिन	सोमवार

मंत्र

ॐ क्षीरपुत्रायः विद्महे अमृत तत्वाय धीमहि तन्नो चन्द्रः प्रचोदयात्

व्यक्तिगत गुण:

आपकी विचार प्रक्रिया बदलती रहती है - जैसे चंद्रमा की शक्ति हमेशा बदलती रहती है। कभी-कभी जब आपके पास पूर्णिमा होती है - तो आपका चेहरा बड़ी आंखों और काले चमकदार बालों वाला हो सकता है। आप नवीनतम फैशन में कपड़े पहनने के शौकीन हैं और यदि चंद्रमा अच्छी स्थिति में है तो ज्यादातर वे बहुत अच्छे लगते हैं। यदि चंद्रमा अच्छी स्थिति में है और उसकी दृष्टि अच्छी है तो आपको एक सुंदर व्यक्ति के रूप में देखा जाता है। यदि चंद्रमा या गृह स्वामी अच्छी स्थिति में नहीं है तो आप लगातार तनाव में रहेंगे। आपको मिठाइयाँ खाना बहुत पसंद है और आप अपने आहार के बारे में भी बहुत मुखर रहते हैं। आप आम तौर पर देखभाल करने वाले और भावुक होते हैं।

विज़न और इनोवेशन:

आपका दयालु हृदय और सहज स्वभाव गहरे भावनात्मक संबंध बनाने में आपका मार्गदर्शन करते हैं। आप सुरक्षा और बंधनों का पोषण करते हैं।

आजीविका और धन:

चूंकि लग्न का स्वामी चंद्रमा आठवें घर में है, इसलिए आपकी रुचि वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी की ओर होगी। आपको जीवन में एक बड़े मोड़ से गुजरना होगा और इसलिए आप हमेशा अपने भविष्य को लेकर भयभीत रहेंगे। आप संचार में अच्छे होंगे और लोगों से उनकी समस्याओं के बारे में बहुत आसानी से बात कर पाएंगे।

आध्यात्मिक सलाह:

अपनी आध्यात्मिक यात्रा में, ध्यान और आत्म-चिंतन के माध्यम से अपनी भावनाओं की गहराई का पता लगाएं। अपने अंतर्ज्ञान पर भरोसा रखें.

गुण:

अच्छी:

- दयालु, सहज, सुरक्षात्मक, देखभाल करने वाला

खराब:

- मूडी, अतिभावुक, चिपकू, अतिसुरक्षात्मक

सूर्य रिपोर्ट

सूर्य, आकाशीय क्षेत्र का दीप्तिमान राजा, आत्मा, जीवन शक्ति और अधिकार का प्रतीक है। इसका उग्र सार महत्वाकांक्षा, नेतृत्व और आत्म-अभिव्यक्ति को बढ़ावा देता है। सूर्य सत्य को प्रकाशित करता है, जीवन में प्रामाणिकता और उद्देश्य को प्रोत्साहित करता है। प्रकाश और ऊर्जा के दाता के रूप में, यह आत्मविश्वास और चुनौतियों के बावजूद चमकने की क्षमता को नियंत्रित करता है। यह पिता के समान व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है, अनुशासन और आंतरिक शक्ति को बढ़ावा देता है। जब सामंजस्य में होता है, तो सूर्य स्पष्टता, सफलता और सम्मान का आशीर्वाद देता है; जब पीड़ित होता है, तो यह गर्व और अहंकार का परीक्षण करता है, विनम्रता का आग्रह करता है। इसकी चमकदार शक्ति व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और सार्वभौमिक सद्भाव के बीच संतुलन सिखाती है।

विवरण	
चिह्न	तुला
डिग्री	190.4955667721388
नक्षत्र	स्वाति
नक्षत्र पद	2
भाव	4
अवस्था	युवा (कुमारा)
स्थिति	उत्तेजित

गृह आधारित भविष्यवाणी:

इस व्यक्ति को असाधारण शारीरिक सुंदरता का वरदान प्राप्त है, जो अक्सर अपने रूप और आकर्षण के लिए प्रशंसा प्राप्त करता है। उनके पास एक रचनात्मक दिमाग है और वे संगीत, कला या अभिव्यक्ति के अन्य रूपों में कुशल हैं। उनके व्यक्तित्व में गर्मजोशी है, और उनके पास एक नरम, सहानुभूतिपूर्ण दिल है जो उन्हें सुलभ और पसंद करने योग्य बनाता है। हालाँकि, पारिवारिक जीवन में चुनौतियाँ भी आ सकती हैं। उन्हें भाई-बहनों के साथ मतभेद का अनुभव हो सकता है या उन्हें लग सकता है कि विरासत या पारिवारिक संपत्ति हमेशा आसानी से उपलब्ध नहीं होती है। इन बाधाओं के बावजूद, वे अनुकूलन करने और अभिनव समाधान खोजने की उल्लेखनीय क्षमता प्रदर्शित करते हैं। वे स्वाभाविक रूप से सामाजिक होते हैं और सार्वजनिक संपर्क वाले व्यवसायों में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं, जैसे कि सरकारी सेवा, शिक्षण, या स्वास्थ्य सेवा। विलासिता के लिए उनका प्यार अक्सर वाहन, भूमि, या अन्य संपत्ति हासिल करने में परिवर्तित हो जाता है, जिससे उनकी उपलब्धि की भावना बढ़ जाती है। जबकि उनकी यात्रा में शुरुआत में कुछ वित्तीय संघर्ष शामिल हो सकते हैं, वे धीरे-धीरे एक सुरक्षित और समृद्ध जीवन बनाते हैं। अपने दृढ़ संकल्प और सामाजिक कौशल के लिए जाने जाते हैं, वे प्रतिकूलताओं पर शालीनता और गरिमा के साथ जीत हासिल करते हैं, जहाँ भी जाते हैं एक स्थायी छाप छोड़ते हैं। उनका जीवन सुंदरता, रचनात्मकता और लचीलेपन का मिश्रण है, जो उनकी आंतरिक शक्ति और बाहरी आकर्षण को दर्शाता है।

सुंदरता और रचनात्मकता के लिए जाना जाता है, यह व्यक्ति सार्वजनिक भूमिकाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करता है। पारिवारिक चुनौतियों के बावजूद, उनका दृढ़ संकल्प और सामाजिक कौशल व्यक्तिगत विकास और समृद्धि सुनिश्चित करता है।

राशि आधारित भविष्यवाणी: सूर्य: तुला

जब सूर्य तुला राशि में होता है, तो व्यक्ति स्वाभाविक रूप से कूटनीतिक, सामाजिक और आकर्षक होते हैं। तुला राशि वालों में निष्पक्षता और न्याय की सहज भावना होती है, और वे अक्सर यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य महसूस करते हैं कि उनके व्यक्तिगत संबंधों और व्यापक वातावरण में शांति और संतुलन बनाए रखा जाए। प्रेम और सौंदर्य के ग्रह शुक्र द्वारा शासित, वे जीवन के सभी पहलुओं में कला, सौंदर्यशास्त्र और सद्भाव के लिए गहरी प्रशंसा रखते हैं। तुला राशि वाले अक्सर कुशल संचारक होते हैं, संघर्षों में मध्यस्थता करने और शांतिपूर्ण समाधान लाने में सक्षम होते हैं। वे रिश्तों को महत्व देते हैं और दूसरों की ज़रूरतों को अपनी ज़रूरतों से ज़्यादा प्राथमिकता देते हैं, जिससे कभी-कभी भावनात्मक त्याग या व्यक्तिगत उपेक्षा की भावना पैदा हो सकती है। जबकि वे आम तौर पर आशावादी और शालीन होते हैं, तुला राशि वाले अनिर्णय और टालमटोल से जूझ सकते हैं, खासकर जब बात महत्वपूर्ण मामलों की हो। वे टकराव से बचने के लिए भी जाने जाते हैं और मुश्किल कामों को टाल सकते हैं, जिससे कभी-कभी निराशा की भावना पैदा हो सकती है। स्वास्थ्य के मामले में, तुला राशि वालों को अपने गुर्दे, पीठ के निचले हिस्से या सामान्य भावनात्मक तनाव से संबंधित समस्याओं का अनुभव हो सकता है, क्योंकि वे अपनी भावनाओं और संघर्षों को आंतरिक रूप से दबा लेते हैं। अपने करियर में, तुला राशि के लोग अक्सर उन क्षेत्रों में सफलता पाते हैं जिनमें रचनात्मकता, कूटनीति या सहयोग शामिल होता है। हालाँकि, जब पैसे को संभालने की बात आती है तो वे ज़्यादा खर्च करने या टालमटोल करने की अपनी प्रवृत्ति के कारण वित्तीय स्थिरता से जूझ सकते हैं। रिश्तों, विशेष रूप से अपने माता-पिता के साथ, अलग-अलग मूल्यों या भावनात्मक ज़रूरतों के कारण चुनौतियों का सामना कर सकते हैं, लेकिन तुला राशि के लोग आम तौर पर अपने निजी जीवन में एक सामंजस्यपूर्ण और प्रेमपूर्ण वातावरण बनाए रखने में सक्षम होते हैं यदि वे खुले संचार को प्राथमिकता देते हैं।

राजनयिक, सामाजिक और आकर्षक, निष्पक्षता की मजबूत भावना वाला, लेकिन अनिर्णय और भावनात्मक बलिदान की प्रवृत्ति वाला।

सूर्य मंत्र: *।। नमः सूर्याय शान्ताय सर्वरोग निवारिणे आयुररोग्य मैस्वैर्यं देहि देवः जगत्पते ।।*

अर्थ: मुझे दिन के निर्माता सूर्य देव का ध्यान करने दो, मुझे उच्च बुद्धि दो, और भगवान सूर्य मेरे मन को प्रकाशित करें।

चंद्रमा रिपोर्ट

चंद्रमा, रात की कोमल रानी, भावनाओं, अंतर्ज्ञान और मन का प्रतीक है। इसकी शांत चमक संवेदनशीलता और कल्पना को पोषित करती है, जो आंतरिक शांति और मातृ प्रेम से गहराई से जुड़ती है। अपने बढ़ते और घटते चरणों की तरह, यह मूड, अनुकूलनशीलता और जीवन के प्रवाह को नियंत्रित करता है। चंद्रमा हमें सपनों और अवचेतन क्षेत्रों से जोड़ता है, भावनात्मक कल्याण के मार्ग का मार्गदर्शन करता है। जब मजबूत होता है, तो यह सहानुभूति, स्थिरता और रचनात्मकता को बढ़ावा देता है; जब कमजोर होता है, तो यह बेचैनी और भावनात्मक उथल-पुथल का कारण बन सकता है। इसका सुखदायक प्रभाव ग्रहणशीलता की लय और किसी की आंतरिक दुनिया को पोषित करने की शक्ति सिखाता है।

विवरण	
चिह्न	कुम्भ
डिग्री	319.84942661673944
नक्षत्र	शतभिषा
नक्षत्र पद	4
भाव	8
अवस्था	वृद्धा
स्थिति	तटस्थ

गृह आधारित भविष्यवाणी:

इस व्यक्ति में एक चुंबकीय और कामुक ऊर्जा होती है जो दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करती है। वे जीवन के सुखों का आनंद लेते हैं, खासकर जब खाने, पीने और रिश्तों की बात आती है। हालाँकि, उन्हें अपने स्वास्थ्य के बारे में भी सावधान रहना चाहिए, क्योंकि वे कुछ स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त हैं, विशेष रूप से उनके श्वसन तंत्र या पुरानी बीमारियों से संबंधित। आर्थिक रूप से, यह व्यक्ति सफल होता है, खासकर व्यवसाय में। उनके पास अवसरों को पहचानने की गहरी नज़र होती है और वे अपने उपक्रमों को लाभदायक उद्यमों में बदलने में कुशल होते हैं। जबकि वे धनी होते हैं, वे भावनात्मक अशांति का भी अनुभव कर सकते हैं, विशेष रूप से उनके स्वास्थ्य और रिश्तों से संबंधित। वे ईर्ष्या या निराशा की भावनाओं से जूझ सकते हैं, खासकर जब उनके निजी जीवन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इन चुनौतियों के बावजूद, यह व्यक्ति अपनी स्थिति को सुधारने के लिए दृढ़ संकल्पित रहता है। वे मेहनती, स्वाभिमानी होते हैं और अपने लिए एक आरामदायक और समृद्ध जीवन बनाने के लिए प्रतिबद्ध होते हैं। हालाँकि, उन्हें संतुलन बनाए रखने और अत्यधिक भोग-विलास से बचने पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि यह उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों को प्रभावित कर सकता है। रिश्तों में, यह व्यक्ति भावुक होता है लेकिन भावनात्मक उतार-चढ़ाव का सामना कर सकता है। जब उन्हें सहयोगपूर्ण और प्रेमपूर्ण वातावरण मिलता है तो वे फलते-फूलते हैं, जो उन्हें अपनी चुनौतियों पर काबू पाने में मदद करता है। go.

इस व्यक्ति में चुंबकीय ऊर्जा और जीवन के सुखों के लिए जुनून होता है। भावनात्मक उतार-चढ़ाव से ग्रस्त होने के बावजूद, वे व्यवसाय और रिश्तों में सफल होते हैं, अपने जीवन के सभी पहलुओं में संतुलन बनाने का प्रयास करते हैं।

राशि आधारित भविष्यवाणी: चंद्रमा: कुम्भ

कुंभ राशि में चंद्रमा के साथ, व्यक्ति स्वतंत्र, अभिनव और भावनात्मक रूप से अलग होते हैं। कुंभ राशि एक वायु राशि है जो विद्रोह और परिवर्तन के ग्रह यूरेनस द्वारा शासित है, जो जीवन के लिए एक अनूठा और अपरंपरागत दृष्टिकोण लाता है। इस चंद्रमा की स्थिति वाले लोगों में अक्सर व्यक्तित्व की एक मजबूत भावना होती है और भीड़ से अलग दिखने की इच्छा होती है। वे भावनात्मक रूप से अलग होते हैं, भावनात्मक उथल-पुथल में खुद को डुबोने के बजाय तार्किक या बौद्धिक दृष्टिकोण से अपनी भावनाओं को समझना पसंद करते हैं। कुंभ राशि के चंद्रमा प्रगतिशील विचारों, सामाजिक कारणों और मानवीय प्रयासों की ओर आकर्षित होते हैं, और वे अक्सर दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने की गहरी आवश्यकता महसूस करते हैं। वे अभिनव विचारक होते हैं, हमेशा समस्याओं को हल करने और सीमाओं को आगे बढ़ाने के नए तरीकों की तलाश करते हैं। हालाँकि, यह भावनात्मक अलगाव कभी-कभी उन्हें रिश्तों में अलग या दूर कर सकता है। वे भावनात्मक अंतरंगता के साथ संघर्ष कर सकते हैं, क्योंकि वे अपनी स्वतंत्रता और स्वतंत्रता को सबसे अधिक महत्व देते हैं। जबकि वे अपने दोस्तों और कारणों के प्रति बहुत वफादार होते हैं, उन्हें अपनी भावनाओं के बारे में खुलकर बात करने में कठिनाई हो सकती है। करियर के मामले में, कुंभ राशि के लोग प्रौद्योगिकी, विज्ञान, सामाजिक कार्य या किसी भी ऐसे पेशे की ओर आकर्षित हो सकते हैं जो उन्हें नवाचार करने और यथास्थिति को चुनौती देने की अनुमति देता है। वे राजनीति या सक्रियता में भी रुचि रख सकते हैं, क्योंकि वे दूसरों की मदद करने की जिम्मेदारी की भावना महसूस करते हैं। आर्थिक रूप से, वे अपने दृष्टिकोण में अपरंपरागत होते हैं, कभी-कभी अप्रत्याशित या जोखिम भरे निवेश करते हैं। कुंभ राशि के लोगों के लिए रिश्ते अक्सर बौद्धिक संबंध और आपसी सम्मान की इच्छा से चिह्नित होते हैं।

स्वतंत्र, अभिनव और भावनात्मक रूप से अलग, स्वतंत्रता और प्रगतिशील विचारों को महत्व देने वाला।.

चंद्र मंत्र: *|| ॐ पद्मद्वाजय विधमहे हेमा रूपया धीमेहे तन्नो चंद्र प्रचोदयत ||*

अर्थ: मैं भगवान चंद्रमा के सामने घुटने टेकता हूं, जो कमल का झंडा पहनते हैं। वह चमकदार सुनहरे रंग से चमकते हैं। चंद्र देव मेरे मन को प्रकाशित करें और मेरा मार्ग रोशन करें।

मंगल रिपोर्ट

मंगल, उग्र योद्धा, ऊर्जा, साहस और दृढ़ संकल्प को विकीर्ण करता है। इसका साहसिक प्रभाव कार्रवाई, महत्वाकांक्षा और चुनौतियों पर विजय पाने की प्रेरणा देता है। जुनून और शारीरिक शक्ति को नियंत्रित करते हुए, मंगल लक्ष्यों को प्राप्त करने में आत्मविश्वास और दृढ़ता को बढ़ाता है। यह युवा जोश, प्रतिस्पर्धी भावना और जीवन की लड़ाइयों के प्रति निडर दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है। संतुलित होने पर, मंगल नेतृत्व, लचीलापन और निर्णायकता का आशीर्वाद देता है; असंतुलित होने पर, यह आक्रामकता, अधीरता और आवेग को जन्म दे सकता है। यह गतिशील ग्रह रचनात्मक रूप से कच्ची ऊर्जा का दोहन करने, इसे उद्देश्यपूर्ण प्रयासों में लगाने और आत्म-नियंत्रण और अनुशासन की कला सीखने का आग्रह करता है।

विवरण	
चिह्न	मकर
डिग्री	276.1325907692321
नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
नक्षत्र पद	3
भाव	7
अवस्था	युवा (कुमारा)
स्थिति	तटस्थ

गृह आधारित भविष्यवाणी:

इस व्यक्ति को अपने रिश्तों में, खास तौर पर अपने जीवनसाथी के साथ, कुछ भावनात्मक तनाव का अनुभव हो सकता है। उन्हें कई बार संवाद करने में कठिनाई हो सकती है, जिससे गलतफहमियाँ और नाखुशी हो सकती है। हालाँकि, उनके पास इन मुद्दों पर काम करने और अपने रिश्ते को बेहतर बनाने की क्षमता है। उनका मजबूत व्यक्तित्व कभी-कभी संघर्ष का कारण बन सकता है, लेकिन धैर्य और आत्म-चिंतन के साथ, वे अपनी भावनाओं को बेहतर ढंग से प्रबंधित करना सीख सकते हैं। खुशी की कुंजी दूसरों के साथ, खास तौर पर अपने जीवनसाथी के साथ, अपने संवाद को बेहतर बनाने और करुणा के साथ मतभेदों को दूर करने में निहित है। सुनने, समझने और समझौता करने की उनकी इच्छा उन्हें अधिक सामंजस्यपूर्ण जीवन बनाने में मदद करेगी। हालाँकि स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ और भावनात्मक संघर्ष उत्पन्न हो सकते हैं, लेकिन उन्हें समय और समर्थन के साथ दूर किया जा सकता है। आत्म-देखभाल और भावनात्मक उपचार पर ध्यान केंद्रित करके, वे अपने रिश्तों में संतुलन बहाल कर सकते हैं और अधिक शांति पा सकते हैं। इस व्यक्ति की यात्रा के लिए प्रयास और समर्पण की आवश्यकता हो सकती है, लेकिन दृढ़ता के साथ, वे प्यार, समझ और व्यक्तिगत विकास से भरा जीवन बना सकते हैं।

विशेष रूप से जीवनसाथी के साथ भावनात्मक तनाव उत्पन्न हो सकता है, लेकिन इस व्यक्ति में धैर्य और संचार के साथ इन मुद्दों पर काम करने की क्षमता है। चुनौतियों पर काबू पाने से अधिक सामंजस्यपूर्ण और पूर्ण जीवन मिलेगा।

राशि आधारित भविष्यवाणी: मंगल: मकर

मकर राशि में मंगल व्यक्ति को शक्तिशाली प्रेरणा, महत्वाकांक्षा और नेतृत्व करने की स्वाभाविक क्षमता प्रदान करता है। इस स्थिति वाले लोगों को अक्सर अत्यधिक सक्षम, सफल और महानता के लिए किस्मत वाले के रूप में देखा जाता है। मकर राशि में स्थित होने पर, क्रिया का ग्रह मंगल व्यक्ति के व्यावहारिक स्वभाव को बढ़ाता है, जिससे वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने पर अत्यधिक केंद्रित हो जाते हैं। ये व्यक्ति मेहनती, अनुशासित और दृढ़ निश्चयी होते हैं, जो अक्सर उनके करियर और व्यक्तिगत जीवन में सफलता की ओर ले जाता है। वे मान्यता का आनंद लेते हैं और अक्सर उनकी उपलब्धियों के लिए उनकी प्रशंसा की जाती है। मकर राशि में मंगल स्थिरता और सुरक्षा की गहरी इच्छा का भी संकेत देता है, विशेष रूप से वित्त और परिवार के मामले में। इन व्यक्तियों के एक पूर्ण और सफल जीवन का अनुभव करने की संभावना है, जिनमें से कई एक ठोस करियर, वित्तीय सुरक्षा और एक प्यार करने वाले, सहायक परिवार के पुरस्कारों का आनंद लेते हैं। वे समाज में नेतृत्व की भूमिका निभा सकते हैं, और बाधाओं को दूर करने की उनकी क्षमता उन्हें दूसरों द्वारा अत्यधिक सम्मानित बनाती है। मकर राशि में मंगल एक ऐसे व्यक्ति का भी संकेत दे सकता है जो दृढ़ इच्छाशक्ति वाला, दृढ़ निश्चयी है और अपनी सफलता के रास्ते में किसी भी चीज़ को आने नहीं देता है। इन व्यक्तियों को अक्सर शक्ति के स्तंभ के रूप में देखा जाता है, कई लोग उनसे प्यार करते हैं, तथा उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए उनका सम्मान किया जाता है।

महत्वाकांक्षी और अनुशासित, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प के माध्यम से सफलता प्राप्त करना, वित्तीय स्थिरता की तलाश करना।

मंगल मंत्र: *|| ॐ अंगारकाय विद्महे शक्ति हस्ताय धीमहि, तन्नो भौमः प्रचोदयात् ||*

अर्थ: मैं वीरता और शक्ति की शक्ति से युक्त अग्नि ग्रह भगवान मंगल को नमन करता हूँ। अपनी दिव्य ऊर्जा के साथ, वे अपने हाथों में एक शक्तिशाली हथियार रखते हैं। दिव्य योद्धा भौमह मेरी आत्मा में साहस, संकल्प और शक्ति का संचार करें।

बुध रिपोर्ट

बुध, चतुर संदेशवाहक, बुद्धि, संचार और अनुकूलनशीलता का प्रतीक है। इसकी त्वरित ऊर्जा विश्लेषणात्मक सोच, बुद्धि और जिज्ञासा को नियंत्रित करती है, मानसिक चपलता और रचनात्मक समस्या-समाधान को बढ़ावा देती है। बुध भाषण, सीखने और वाणिज्य से जुड़ता है, अभिव्यक्ति में स्पष्टता और खोज में बहुमुखी प्रतिभा को प्रोत्साहित करता है। जब मजबूत होता है, तो यह कूटनीति, हास्य और बौद्धिक प्रतिभा को बढ़ाता है; जब कमजोर होता है, तो यह अनिर्णय या गलत संचार का कारण बन सकता है। यह फुर्तीला ग्रह तर्क को अनुकूलनशीलता के साथ संतुलित करने की कला सिखाता है, विचारों के प्रवाह और शब्दों और बुद्धि के माध्यम से जुड़ने की खुशी को बढ़ावा देता है।

विवरण	
चिह्न	कन्या
डिग्री	172.24786368665505
नक्षत्र	हस्त
नक्षत्र पद	4
भाव	3
अवस्था	वृद्धा
स्थिति	मज़बूत

गृह आधारित भविष्यवाणी:

अपने स्वास्थ्य को बनाए रखना प्राथमिकता होनी चाहिए, और नियमित रूप से अपने दांतों को ब्रश करना और कबूतरों को दाना डालना जैसी सरल आदतें आपके जीवन में शांति और आशीर्वाद ला सकती हैं। आपकी कार्य नीति मजबूत है, और आप समुद्री विज्ञान, लेखन, या व्यवसाय जैसे क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने की संभावना रखते हैं, जहाँ आपका ज्ञान और रचनात्मकता चमकती है। आप पत्रकारिता, संपादन, या यहाँ तक कि अपना खुद का व्यवसाय चलाने में शामिल हो सकते हैं, और आपकी बहुमुखी प्रतिभा प्रत्येक प्रयास में आपकी अच्छी सेवा करेगी। जबकि आप अपने काम के लिए कुशल और समर्पित हैं, आपको मौज-मस्ती करना और खेलना भी पसंद है, जो आपके जीवन में संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। अपने बौद्धिक पक्ष और अपनी भावनात्मक भलाई दोनों का पोषण करना महत्वपूर्ण है। यदि आप परिवार के सदस्यों, विशेष रूप से भाई-बहनों के साथ किसी भी चुनौती का अनुभव करते हैं, तो एक दोस्ताना और खुला रवैया बनाए रखने से गलतफहमियों को दूर करने में मदद मिलेगी। आपका चंचल स्वभाव और बुद्धिमत्ता आपको आस-पास रहने में खुशी देती है, और दूसरे लोग आपकी मेहनत को खुशी के साथ संतुलित करने की क्षमता की प्रशंसा करेंगे। आपका करियर समृद्ध होने की संभावना है, और आप अपनी क्षमताओं के माध्यम से सफलता पाएंगे। अपने मूल्यों के प्रति सच्चे रहकर और अपने रिश्तों को मजबूत रखकर, आप एक खुशहाल और पूर्ण जीवन का निर्माण करेंगे।

अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और अपने बौद्धिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बढ़ावा देकर संतुलित जीवन का आनंद लें। व्यक्तिगत विकास और सफलता के लिए, खासकर भाई-बहनों के साथ संबंधों को मजबूत करें।

राशि आधारित भविष्यवाणी: बुध: कन्या

कन्या राशि में बुध व्यक्ति को विश्लेषणात्मक दिमाग और सटीकता, संगठन और आलोचनात्मक सोच की ओर स्वाभाविक झुकाव प्रदान करता है। ये व्यक्ति जीवन के प्रति अपने व्यवस्थित दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं, उन क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं जिनमें विस्तार, समस्या-समाधान और बौद्धिक कठोरता पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है। उन्हें अक्सर विद्वान, गणितज्ञ, वैज्ञानिक या मास्टर प्लानर के रूप में माना जाता है, और जटिल विचारों को सरल, कार्रवाई योग्य चरणों में तोड़ने की उनकी क्षमता उन्हें किसी भी पेशे में अलग बनाती है। अपनी अपार बुद्धिमत्ता के बावजूद, वे कभी-कभी अत्यधिक आलोचनात्मक या पूर्णतावादी के रूप में सामने आ सकते हैं। दोषहीनता की उनकी निरंतर खोज उनके लिए और उनके आस-पास के लोगों के लिए निराशा की भावनाओं को जन्म दे सकती है। उनके पास एक तेज बुद्धि और उत्कृष्ट संचार कौशल है, जिसका उपयोग वे ज्ञान साझा करने या संघर्षों को हल करने के लिए प्रभावी ढंग से करते हैं। बुद्धि और वाक्पटुता का यह संयोजन उन्हें प्रेरक वक्ता और प्रभावशाली नेता बनाता है। अपने निजी जीवन में, कन्या राशि में बुध वाले व्यक्ति उदार और निस्वार्थ होते हैं, अक्सर दूसरों की ज़रूरतों को अपनी ज़रूरतों से पहले रखते हैं। वे दोस्तों और परिवार के साथ मजबूत संबंध बनाए रखते हैं और उन्हें समर्थन के विश्वसनीय स्तंभ के रूप में देखा जाता है। हालांकि, परिस्थितियों का अत्यधिक विश्लेषण करने की उनकी प्रवृत्ति अनिर्णय या तनाव का कारण बन सकती है। सफल होने के लिए, उन्हें लचीलेपन के साथ व्यवस्था की अपनी आवश्यकता को संतुलित करने की आवश्यकता है, जिससे वे जीवन की सहजता का आनंद ले सकें। अपनी स्वाभाविक बुद्धि और आकर्षण के साथ, वे उन भूमिकाओं के लिए उपयुक्त हैं जिनमें सटीकता और नवीनता की आवश्यकता होती है।

अत्यधिक विश्लेषणात्मक और व्यवस्थित, सटीकता और बुद्धि में उत्कृष्ट लेकिन पूर्णतावाद के लिए प्रवण।

बुध मंत्र: *|| ॐ सौम्य-रूपाय विदमहे वाणेशाय धीमहि तन्नो सौम्यः प्रचोदयात् ||*

अर्थ: मैं उनका ध्यान करता हूँ जिनके ध्वज में हाथी है। हे भगवान, जो आनंद देने की शक्ति रखते हैं, मुझे उच्च बुद्धि प्रदान करें और बुध देव मेरे मन को प्रकाशित करें।

बृहस्पति रिपोर्ट

बृहस्पति, दयालु शिक्षक, ज्ञान, विकास और आध्यात्मिकता का प्रतीक है। इसकी व्यापक ऊर्जा आशावाद, विश्वास और नैतिक मूल्यों को प्रेरित करती है, जीवन के उच्च उद्देश्य का मार्गदर्शन करती है। बृहस्पति शिक्षा, धन और आशीर्वाद को नियंत्रित करता है, बहुतायत और ज्ञान को बढ़ावा देता है। यह ईश्वरीय गुरु का प्रतीक है, जो उदारता, आत्मनिरीक्षण और सत्य की खोज को प्रोत्साहित करता है। जब संतुलन में होता है, तो बृहस्पति ज्ञान, समृद्धि और दयालुता प्रदान करता है; जब पीड़ित होता है, तो यह अतिभोग या अहंकार को जन्म दे सकता है। यह मार्गदर्शक ग्रह उच्च शिक्षा और नैतिक जीवन जीने के मार्ग को रोशन करता है, आध्यात्मिक विकास और आत्मा की असीम क्षमता को प्रोत्साहित करता है।

विवरण	
चिह्न	मिथुन
डिग्री	81.7525927727788
नक्षत्र	पुनर्वसु
नक्षत्र पद	1
भाव	12
अवस्था	वृद्धा
स्थिति	तटस्थ

गृह आधारित भविष्यवाणी:

आपके पास बुद्धिमत्ता, अंतर्ज्ञान और करुणा का एक अनूठा संयोजन है, जो आपको एक गहन विचारक बनाता है जो सार्थक संबंधों को महत्व देता है। आपका दार्शनिक दृष्टिकोण और जीवन के रहस्यों को समझने की इच्छा आपको ज्ञान और बुद्धि की खोज करने के लिए प्रेरित करती है। यह आत्मनिरीक्षण करने वाला स्वभाव आपको सूचित निर्णय लेने और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने में मदद करता है। जहाँ आप अपनी स्वतंत्रता को महत्व देते हैं, वहीं आप बहुत सहानुभूतिपूर्ण भी हैं, अक्सर दूसरों की ज़रूरतों को प्राथमिकता देते हैं। रिश्तों में, आप वफ़ादार और सहायक होते हैं, आपसी सम्मान और समझ के आधार पर मज़बूत बंधन बनाते हैं। बिना किसी निर्णय के सुनने और अच्छी सलाह देने की आपकी क्षमता आपको कई लोगों का भरोसेमंद साथी बनाती है। पेशेवर रूप से, आप उन भूमिकाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं जिनमें आलोचनात्मक सोच, विश्लेषण या रचनात्मकता की आवश्यकता होती है। चाहे आप शिक्षक, लेखक या इनोवेटर हों, आप अद्वितीय दृष्टिकोण लाते हैं जो दूसरों को प्रेरित और शिक्षित करते हैं। आर्थिक रूप से, आप सतर्क लेकिन संसाधन संपन्न हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि आपके प्रयास स्थिरता और विकास की ओर ले जाएँ। कभी-कभार आने वाली चुनौतियों के बावजूद, आपका लचीलापन और आशावाद आपको बाधाओं को शालीनता से दूर करने की अनुमति देता है। अपने मूल्यों के प्रति सच्चे रहकर तथा निरंतर सीखते और आगे बढ़ते हुए, आप एक संपूर्ण और प्रभावशाली जीवन का मार्ग प्रशस्त करते हैं, तथा अपने आस-पास के लोगों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करते हैं।

बुद्धिमत्ता और करुणा के मिश्रण के साथ, आप दार्शनिक अंतर्दृष्टि और मजबूत रिश्तों के साथ जीवन को आगे बढ़ाते हैं। आपका लचीलापन और आशावाद निरंतर व्यक्तिगत विकास और आपके आस-पास के लोगों पर सकारात्मक प्रभाव के साथ एक पूर्ण जीवन सुनिश्चित करता है

राशि आधारित भविष्यवाणी: बृहस्पति: मिथुन

मिथुन राशि में बृहस्पति व्यक्तियों को तीव्र बुद्धि, अद्वितीय संचार कौशल और ज्ञान के प्रति प्रेम का आशीर्वाद देता है। ये लोग स्वाभाविक रूप से कहानीकार होते हैं, अपनी वाक्पटुता और करिश्मा से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। उनकी बुद्धि और हास्य उन्हें किसी भी सभा का जीवन बना देते हैं, और वे अक्सर लेखन, शिक्षण या सार्वजनिक भाषण से संबंधित क्षेत्रों में सफलता पाते हैं। उनकी अतृप्त जिज्ञासा उन्हें साहित्य और दर्शन से लेकर ज्योतिष और रहस्यवाद तक कई विषयों का पता लगाने के लिए प्रेरित करती है। वे आजीवन सीखने वाले होते हैं, लगातार दुनिया के बारे में अपनी समझ का विस्तार करने की कोशिश करते हैं। यह बौद्धिक बहुमुखी प्रतिभा अक्सर रचनात्मक या शैक्षणिक क्षेत्रों में सफलता में तब्दील हो जाती है, जहाँ उनके अभिनव विचार और अद्वितीय दृष्टिकोण उन्हें अलग करते हैं। आर्थिक रूप से, ये व्यक्ति संचार, प्रकाशन या कला से जुड़े उद्योगों में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं। वे रत्न या अन्य विलासिता की वस्तुओं से संबंधित व्यवसायों में भी समृद्धि पा सकते हैं। अपनी बौद्धिक प्रतिभा के बावजूद, वे गहराई से जुड़े हुए हैं और अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में संतुलन बनाए रखने में सक्षम हैं। व्यक्तिगत स्तर पर, मिथुन राशि में बृहस्पति वाले व्यक्ति दूसरों के साथ मजबूत और सार्थक संबंध बनाने की अपनी क्षमता के लिए जाने जाते हैं। वे प्रिय मित्र और योग्य सलाहकार हैं, जो हमेशा मार्गदर्शन और सहायता देने के लिए तैयार रहते हैं। उनका आशावाद और अनुकूलनशीलता यह सुनिश्चित करती है कि वे जीवन की चुनौतियों का सामना शालीनता और लचीलेपन के साथ करते हैं, और हर किसी पर अपनी अमिट छाप छोड़ते हैं।

ज्ञान के प्रति प्रेम और अनुकूलनीय, मजाकिया स्वभाव वाला एक शानदार संचारक।

बृहस्पति मंत्र: *|| ॐ वृषभध्वजाय विद्महे करुनीहस्ताय धीमहि तन्नो गुरु: प्रचोदयात ||*

अर्थ: मैं सभी देवताओं के गुरु की प्रार्थना करता हूँ और देवताओं में सबसे अधिक पूज्य गुरु का ध्यान करता हूँ, गुरु मेरी बुद्धि को प्रकाशित करें और मुझे आत्म-सिद्धि की ओर मार्गदर्शन करें।

शुक्र रिपोर्ट

शुक्र, आकर्षक प्रेरणा, प्रेम, सौंदर्य और सद्भाव का प्रतीक है। इसकी चुंबकीय ऊर्जा रिश्तों, कलात्मक अभिव्यक्ति और भौतिक सुखों को नियंत्रित करती है, जो जीवन की खुशियों के लिए एक परिष्कृत प्रशंसा को प्रेरित करती है। शुक्र रोमांस, रचनात्मकता और विलासिता से जुड़ता है, संतुलन और सौंदर्य आकर्षण को बढ़ावा देता है। जब सामंजस्य में होता है, तो यह स्नेह, लालित्य और करुणा को बढ़ाता है; जब पीड़ित होता है, तो यह भोग या घमंड को जन्म दे सकता है। यह सुंदर ग्रह संबंधों को संजोने और सादगी में सुंदरता खोजने की कला सिखाता है, एक पूर्ण जीवन के लिए प्रेम और ज्ञान के मिश्रण को प्रोत्साहित करता है।

विवरण	
चिह्न	कन्या
डिग्री	171.35851605483288
नक्षत्र	हस्त
नक्षत्र पद	4
भाव	3
अवस्था	वृद्धा
स्थिति	मज़बूत

गृह आधारित भविष्यवाणी:

आप ज्ञान और रचनात्मकता की दुनिया में गहराई से निवेश करने वाले व्यक्ति हैं, जो बौद्धिक विकास और कलात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने वाले वातावरण में पनपते हैं। चाहे साहित्य, संगीत या दृश्य कला के माध्यम से, आप स्वाभाविक रूप से उन व्यवसायों और शौक की ओर आकर्षित होते हैं जो आपको इन क्षेत्रों का पता लगाने की अनुमति देते हैं। परिवार के साथ आपके रिश्ते, विशेष रूप से आपके भाई-बहन और करीबी दोस्तों, सद्भाव और समर्थन से भरे हुए हैं। आप अपने आस-पास के लोगों के लिए गहरी सराहना करते हैं, और सार्थक संबंध बनाने की आपकी क्षमता सुनिश्चित करती है कि आपका सामाजिक जीवन हमेशा समृद्ध और पूर्ण रहे। आपके संबंधों में आपसी सम्मान और प्रशंसा है, खासकर आपके भाई-बहनों के साथ, जो रचनात्मकता और आत्म-अभिव्यक्ति के लिए आपके प्यार को साझा करते हैं। आप चुनौतियों से पीछे हटने वाले नहीं हैं, और आप जीवन की बाधाओं को शांत और तर्कसंगत मानसिकता के साथ सामना करते हैं। यह, आपकी भावनात्मक बुद्धिमत्ता के साथ मिलकर, आपको एक ऐसा व्यक्ति बनाता है जिससे दूसरे सलाह या मार्गदर्शन के लिए मुड़ते हैं। जबकि आप कभी-कभी चिंतन और ऊर्जा प्राप्त करने के लिए एकांत पसंद कर सकते हैं, आपका मिलनसार स्वभाव सुनिश्चित करता है कि आपके आस-पास के लोग आपको प्यार और सम्मान देते हैं। वित्तीय सफलता आपको एक स्थिर, व्यावहारिक दृष्टिकोण से मिलती है। आप अपने संसाधनों का बुद्धिमानी से प्रबंधन करने में सक्षम हैं, ऐसे अवसरों में निवेश करते हैं जो आपको दीर्घकालिक धन बनाने में मदद करते हैं। आपका जीवन संतुलन का है, जहाँ खुशी की तलाश और वित्तीय स्थिरता की आवश्यकता खूबसूरती से सह-अस्तित्व में है।

आप बौद्धिक और कलात्मक वातावरण में पनपते हैं, परिवार और दोस्तों के साथ मजबूत रिश्ते बनाते हैं। आपकी बुद्धि, रचनात्मकता और चुनौतियों के प्रति स्थिर दृष्टिकोण आपके सामाजिक और वित्तीय जीवन दोनों में सफलता की ओर ले जाता है।

राशि आधारित भविष्यवाणी: शुक्र: कन्या

कन्या राशि में शुक्र एक ऐसे व्यक्ति को दर्शाता है जो अपने काम के प्रति परिष्कार, व्यावहारिकता और समर्पण को महत्व देता है। वे विस्तार पर नज़र रखते हैं, ऐसे क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं जिनमें सटीकता की आवश्यकता होती है, जैसे लेखन, कला या व्यवसाय। उनका अनुशासित दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है कि वे विपरीत परिस्थितियों में भी विश्वसनीय और उत्पादक बने रहें। ये व्यक्ति अक्सर खुद को धार्मिक तीर्थयात्राओं या यात्राओं की ओर आकर्षित पाते हैं जो आध्यात्मिक संतुष्टि प्रदान करती हैं। वे मधुरभाषी होते हैं, अपनी ईमानदारी और दयालुता से दूसरों की प्रशंसा जीतते हैं। हालाँकि, वे अपने प्रियजनों के बारे में अत्यधिक चिंता करते हैं, खासकर जब बात उनके जीवनसाथी या साथी के स्वास्थ्य या कल्याण की हो। आर्थिक रूप से, कन्या राशि में शुक्र वाले व्यक्ति चुनौतियों का सामना करते हैं, अक्सर व्यावसायिक घाटे या खराब निवेश के कारण स्थिरता हासिल करने के लिए संघर्ष करते हैं। इन असफलताओं के बावजूद, वे लचीले बने रहते हैं, अनुकूलन और पुनर्प्राप्ति के तरीके खोजते हैं। वे स्वभाव से परोपकारी होते हैं, अक्सर अपने सीमित संसाधनों को ज़रूरतमंदों के साथ साझा करते हैं, जो उनके निस्वार्थ चरित्र को दर्शाता है। यह स्थिति रोमांटिक रिश्तों में मुश्किलें ला सकती है, क्योंकि गलतफहमी या बाहरी परिस्थितियाँ तनाव का कारण बन सकती हैं। हालाँकि, अपने संबंधों को पोषित करने और विकसित करने का उनका दृढ़ संकल्प उन्हें ऐसी चुनौतियों से उबरने में मदद करता है। कन्या राशि में शुक्र ग्रह वाले व्यक्तियों की विशेषता उनकी विनम्रता, कार्य नैतिकता और स्वयं तथा अपने आस-पास के लोगों की बेहतरी के लिए अटूट प्रतिबद्धता होती है।

विस्तार-उन्मुख, अनुशासित और निस्वार्थ, उत्कृष्टता और रिश्तों को पोषित करने की प्रतिबद्धता के साथ।

शुक्र मंत्र: *|| ॐ अश्वध्वजाय विद्महे धनुर्हस्ताय धीमहि तन्नः शुक्रः प्रचोदयात् ||*

अर्थ: ॐ, मुझे अश्व ध्वज वाले भगवान का ध्यान करने दो, हे भगवान जो धनुष और बाण धारण करते हैं, मुझे बेहतर बुद्धि प्रदान करें, और शुक्र भगवान मेरे मन को प्रकाशित करें।

शनि रिपोर्ट

शनि, अनुशासित न्यायाधीश, कर्म, जिम्मेदारी और दृढ़ता का प्रतीक है। इसकी कठोर ऊर्जा धैर्य और परिपक्वता का परीक्षण करती है, आत्म-अनुशासन और जीवन के सबक को स्वीकार करने का आग्रह करती है। शनि संरचना, समय और सीमाओं को नियंत्रित करता है, लचीलापन और प्रतिकूलता को दूर करने की शक्ति को बढ़ावा देता है। जब संतुलित होता है, तो यह कड़ी मेहनत, स्थिरता और आंतरिक ज्ञान को पुरस्कृत करता है; जब पीड़ित होता है, तो यह देरी, भय या बोझ पैदा कर सकता है। यह कर्म ग्रह हमें जीवन की चक्रीय प्रकृति की याद दिलाता है, विनम्रता और दृढ़ता और कर्तव्य की परिवर्तनकारी शक्ति सिखाता है।

विवरण	
चिह्न	वृषभ
डिग्री	50.247134373214934
नक्षत्र	रोहिणी
नक्षत्र पद	4
भाव	11
अवस्था	वृद्धा
स्थिति	उत्तेजित

गृह आधारित भविष्यवाणी:

आप एक ऐसे व्यक्ति हैं जो अपने हर काम में सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं और आपका हंसमुख, विनम्र स्वभाव आपको व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों ही तरह से एक पसंद करने वाला व्यक्ति बनाता है। अपनी शादी में देरी का सामना करने के बावजूद, आप जीवन के अन्य क्षेत्रों में खुशी और संतुष्टि पाते रहेंगे। आपके व्यावसायिक प्रयास विशेष रूप से सफल होंगे, क्योंकि आपकी मजबूत कार्य नीति, बौद्धिक क्षमता और दूसरों से जुड़ने की क्षमता आपको दीर्घकालिक सफलता के लिए एक ठोस आधार बनाने में मदद करेगी। आपको कभी-कभी अपने स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन आप इन बाधाओं को शालीनता और दृढ़ संकल्प के साथ पार करेंगे। परिवार और दोस्तों के साथ आपके रिश्ते आपके लिए महत्वपूर्ण हैं और आप कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद इन संबंधों को बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे। अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित रखें और अपने रास्ते में आने वाले अवसरों के लिए खुले रहें। आप जो सफलता चाहते हैं वह तब मिलेगी जब आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते रहेंगे, सकारात्मक बने रहेंगे और अपनी क्षमताओं पर भरोसा करेंगे। जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, आप अपने परिवार के लिए स्थिरता और सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए खुद को अधिक पारंपरिक मूल्यों की ओर आकर्षित पा सकते हैं। इन बदलावों को अपनाएँ और अपने करियर और रिश्तों में आपने जो मजबूत नींव बनाई है, उस पर काम करना जारी रखें।

आपका हंसमुख स्वभाव और मजबूत कार्य नैतिकता व्यवसाय में सफलता को बढ़ावा देती है। सकारात्मक रिश्ते और दृढ़ता आपको चुनौतियों को दूर करने और एक स्थिर भविष्य बनाने में मदद करती है।

राशि आधारित भविष्यवाणी: शनि: वृषभ

जब शनि वृषभ राशि में होता है, तो व्यक्ति को भौतिक सुरक्षा और रिश्तों से जुड़ी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यह व्यक्ति विश्वास के मुद्दों से जूझ सकता है, खासकर अपने निजी रिश्तों में। शनि के प्रभाव से वे ठंडे या दूर-दूर के लग सकते हैं, और उन्हें अपने जीवनसाथी या बच्चों के साथ गहरे संबंध बनाने में कठिनाई हो सकती है। इसके बावजूद, वे अक्सर जीवन में स्थिरता और आराम की तलाश करते हैं, खासकर अपनी वित्तीय स्थिति में। करियर के मामले में, ये व्यक्ति मेहनती, दृढ़ निश्चयी होते हैं और व्यावहारिकता की गहरी समझ रखते हैं। वे ऐसे व्यवसायों में शामिल हो सकते हैं जहाँ वे वित्त या संपत्ति जैसे भौतिक संसाधनों का प्रबंधन या सौदा करते हैं। हालाँकि, वृषभ राशि में शनि अक्सर इन क्षेत्रों में सीमा या प्रतिबंध की भावना लाता है, और उन्हें अपनी इच्छित संपत्ति या आराम प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। उन्हें पारिवारिक गतिशीलता, विशेष रूप से विवाह में चुनौतियों का भी सामना करना पड़ सकता है, और अपने जीवनकाल में कई रिश्तों का अनुभव हो सकता है। यह स्थिति उन्हें अधिक भौतिकवादी और धन संचय करने के लिए प्रवृत्त भी बना सकती है, लेकिन वे अत्यधिक कामुकता के लिए भी प्रवृत्त हो सकते हैं, खासकर अगर उनकी इच्छाएँ पूरी नहीं होती हैं। वृषभ राशि में शनि का सबक भावनात्मक संतुष्टि और व्यक्तिगत विकास के साथ भौतिक खोजों को संतुलित करना सीखना है। इन व्यक्तियों को अपनी इच्छाओं को प्रबंधित करना सीखना चाहिए तथा भौतिकवाद या कामुक सुखों को अपने जीवन पर हावी नहीं होने देना चाहिए।

भौतिक और संबंध संघर्षों का सामना करता है, लेकिन व्यक्तिगत विकास के साथ भौतिक इच्छाओं को संतुलित करना सीखता है।

शनि मंत्र: *॥ ॐ काकध्वजाय विद्महे खड्गहस्ताय धीमहि तन्नो मन्दः प्रचोदयात ॥*

अर्थ: ॐ, मुझे उस पर विचार करने दो जिसके ध्वज पर कौआ है, ओह, वह जो अपनी हथेली में तलवार चलाता है, और शनिश्चर मेरे विचारों को प्रकाशित करें।

राहु रिपोर्ट

राहु, एक रहस्यमयी ग्रह, महत्वाकांक्षा, इच्छाओं और अपरंपरागत रास्तों का प्रतिनिधित्व करता है। इसकी तीव्र ऊर्जा जुनून और नवाचार को बढ़ावा देती है, जो अज्ञात क्षेत्रों की खोज को प्रेरित करती है। राहु भौतिक खोज, प्रसिद्धि और सांसारिक उपलब्धियों को नियंत्रित करता है, पारंपरिक सीमाओं को चुनौती देता है। संतुलन में होने पर, यह रचनात्मकता, साहस और संसाधनशीलता को प्रेरित करता है; असंतुलित होने पर, यह भ्रम, भ्रम या लालच का कारण बन सकता है। यह रहस्यमय ग्रह इच्छाओं और वैराग्य की द्वंद्वात्मकता सिखाता है, जीवन की छायाओं और भ्रमों को नेविगेट करके आत्म-साक्षात्कार की ओर मार्गदर्शन करता है।

विवरण	
चिह्न	मिथुन
डिग्री	65.95593215183553
नक्षत्र	मृगशिरा
नक्षत्र पद	4
भाव	12
अवस्था	नवजात (बाला)
स्थिति	मज़बूत

गृह आधारित भविष्यवाणी:

आप एक ऐसे व्यक्ति हैं जो जीवन के सुखों का आनंद लेते हैं, लेकिन साथ ही कई तरह की चुनौतियों का भी सामना करते हैं। आपके कामुक स्वभाव का मतलब है कि आप जीवन के आराम की सराहना करते हैं, लेकिन आप खुद को व्यक्तिगत विकास के मामले में बाधाओं का सामना करते हुए भी पा सकते हैं। हालाँकि आपको कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, खासकर रिश्तों या स्वास्थ्य के मामलों में, आपका दृढ़ संकल्प आपको आगे बढ़ने में मदद करेगा। आपको कभी-कभी गलत समझा जा सकता है, या आपको लग सकता है कि आप दूसरों की तरह बुद्धिमान नहीं हैं, लेकिन आपका मेहनती स्वभाव आपको सफलता की ओर ले जाएगा। आपके पास कठिनाइयों से निपटने का एक अनूठा तरीका है और अक्सर व्यावहारिक मानसिकता के साथ चुनौतियों पर विजय प्राप्त करते हैं। अपनी शंकाओं के बावजूद, आप जीवन में मिलने वाली विलासिता का आनंद लेंगे, लेकिन आत्म-देखभाल के साथ भोग-विलास को संतुलित करने के बारे में सावधान रहें। ऐसे क्षण हो सकते हैं जब आप अपने जीवनसाथी या महत्वपूर्ण अन्य के साथ अपने रिश्ते को लेकर संघर्ष करते हैं, लेकिन समय और प्रयास के साथ, इन चुनौतियों पर काबू पाया जा सकता है। आप महान चीजों में सक्षम हैं, और अनुकूलन और विकास करने की आपकी क्षमता आपको वह सफलता प्राप्त करने में मदद करेगी जो आप चाहते हैं। आपकी छठी इंद्री और अंतर्ज्ञान जीवन के उतार-चढ़ाव को नेविगेट करने के लिए शक्तिशाली उपकरण हो सकते हैं।

आप जीवन के आराम की सराहना करते हैं, लेकिन आपको व्यक्तिगत विकास और चुनौतियों से निपटना चाहिए। व्यावहारिकता और दृढ़ संकल्प आपको सफल होने में मदद करते हैं, जबकि अंतर्ज्ञान आपको जीवन के उतार-चढ़ाव के दौरान मार्गदर्शन करता है।

राशि आधारित भविष्यवाणी: राहु: मिथुन

मिथुन राशि में राहु इस वायु राशि की प्राकृतिक अनुकूलनशीलता और बौद्धिक जिज्ञासा को बढ़ाता है। मिथुन राशि अपनी तेज-तर्रारता और बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती है, और यहाँ राहु का प्रभाव व्यक्ति की मानसिक उत्तेजना, ज्ञान और संचार की इच्छा को बढ़ाता है। इन व्यक्तियों के लंबे जीवन जीने की संभावना होती है, जो निरंतर विकास और परिवर्तन से चिह्नित होते हैं। वे अक्सर अपने लक्ष्यों की खोज में साहसी होते हैं और दृढ़ संकल्प के साथ बाधाओं को दूर करने में सक्षम होते हैं। राहु उन्हें व्यवसाय में सफल होने की क्षमता भी प्रदान करता है, क्योंकि वे जल्दी सोचने वाले होते हैं और वाणिज्य और बातचीत के लिए उनके पास तेज दिमाग होता है। हालाँकि, राहु का प्रभाव आंतरिक संघर्ष की भावना पैदा कर सकता है, क्योंकि ये व्यक्ति मानसिक संकट या भ्रम का अनुभव कर सकते हैं। वे ध्यान केंद्रित करने में संघर्ष कर सकते हैं, क्योंकि उनका बेचैन स्वभाव उन्हें एक रुचि से दूसरी रुचि में कूदने के लिए प्रेरित करता है। यह बाहरी सफलता के बावजूद असंतोष या पूर्ति की कमी की भावना पैदा कर सकता है। मिथुन राशि में राहु अक्सर एक व्यक्ति को संगीत या कलात्मक अभिव्यक्ति के अन्य रूपों के लिए गहरा प्यार देता है, क्योंकि ये गतिविधियाँ उनके बेचैन दिमाग को शांत करने में मदद करती हैं। जबकि वे पेशेवर सफलता का अनुभव कर सकते हैं, इन व्यक्तियों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है, विशेष रूप से उनके तंत्रिका तंत्र या मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित। राहु की ऊर्जा द्वारा लाया गया निरंतर मानसिक तनाव चिंता या भावनात्मक असंतुलन की अवधि का कारण बन सकता है। मिथुन राशि में राहु वाले लोगों के लिए, उनकी बौद्धिक गतिविधियों और भावनात्मक कल्याण के बीच संतुलन बनाना महत्वपूर्ण है। उन्हें अपनी ऊर्जा को केंद्रित करना और विकर्षणों से बचना सीखना चाहिए, क्योंकि इससे जीवन में अधिक सफलता और संतुष्टि मिलेगी।

अनुकूलनीय और बौद्धिक रूप से जिज्ञासु, लेकिन ध्यान और आंतरिक संघर्ष से जूझता है।

राहु मंत्र: *|| ॐ नागध्वजाय विद्महे पद्महस्ताय धीमहि तन्नो राहुः प्रचोदयात् ||*

अर्थ: ॐ, मैं उनका ध्यान करता हूँ जिनके ध्वज में साँप है, ओह, जिनके हाथ में कमल है, वे मुझे उच्च बुद्धि प्रदान करें और राहु मेरे मन को प्रकाशित करें।

केतु रिपोर्ट

केतु, एक रहस्यमय ग्रह है, जो आध्यात्मिकता, वैराग्य और मुक्ति की यात्रा का मार्गदर्शन करता है। यह पिछले जीवन के अनुभवों से अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, भौतिक आसक्तियों से मुक्ति का आग्रह करता है। केतु का रहस्यमय प्रभाव गहन सत्य की खोज और सांसारिक बंधनों से परे जाने को प्रोत्साहित करता है। आध्यात्मिक साधक का प्रतिनिधित्व करते हुए, यह अंतर्ज्ञान, ध्यान और समर्पण की भावना को बढ़ावा देता है। संरेखित होने पर, केतु गहन ज्ञान और आंतरिक शांति प्रदान करता है; असंतुलित होने पर, यह वियोग या भ्रम पैदा कर सकता है। यह अलौकिक ग्रह पारलौकिकता के मार्ग को रोशन करता है, आत्मा को ज्ञान और सार्वभौमिक एकता की ओर ले जाता है।

विवरण	
चिह्न	धनु
डिग्री	245.9559321518355
नक्षत्र	मूल
नक्षत्र पद	2
भाव	6
अवस्था	नवजात (बाला)
स्थिति	मज़बूत

गृह आधारित भविष्यवाणी:

यह व्यक्ति ज़मीन से जुड़ा और व्यावहारिक होता है, हमेशा व्यक्तिगत विकास और स्थिरता के लिए प्रयास करता है। उन्हें स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, खासकर त्वचा की स्थिति या जोड़ों के दर्द से संबंधित, लेकिन उनका लचीला स्वभाव सुनिश्चित करता है कि वे इन बाधाओं को पार कर लें। वे स्वाभाविक रूप से साहसी होते हैं, और हालाँकि उन्हें कभी-कभी भावनात्मक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, खासकर अपने परिवार या मातृ पक्ष के साथ, वे सामना करने और दृढ़ रहने के तरीके खोज लेते हैं। उन्हें अपने परिवार के साथ संघर्ष या मतभेद का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन उनका शांत और व्यावहारिक स्वभाव उन्हें इन मुद्दों का समाधान खोजने की अनुमति देता है। वित्तीय चुनौतियाँ भी आ सकती हैं, लेकिन वे स्पष्ट दिमाग से उनसे निपटने की क्षमता रखते हैं। अपने संसाधनों को बुद्धिमानी से प्रबंधित करने की उनकी क्षमता सुनिश्चित करती है कि वे कठिन समय में भी अपने वित्त पर नियंत्रण बनाए रखें। वे अपने काम और पेशेवर जीवन के प्रति भी गहराई से प्रतिबद्ध हैं, सफल होने के लिए दृढ़ संकल्प और धैर्य दिखाते हैं। स्वस्थ संबंधों को बनाए रखने और अपने व्यक्तिगत लक्ष्यों की ओर काम करने पर ध्यान केंद्रित करके, वे जीवन में सफलता और स्थिरता पाएंगे। उनकी व्यावहारिकता और लचीलापन बाधाओं पर काबू पाने की कुंजी है, और वे अंततः स्वास्थ्य, खुशी और समृद्धि का जीवन जीएँगे। कठिन परिस्थितियों को शालीनता से संभालने की उनकी क्षमता उन्हें संतुलित और पूर्ण जीवन जीने में मदद करेगी।

व्यक्तिगत विकास और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, वे परिवार और वित्तीय संघर्षों को लचीलेपन के साथ पार करते हैं। उनकी व्यावहारिकता और शांत स्वभाव अंततः सफलता और खुशी सुनिश्चित करते हैं।

राशि आधारित भविष्यवाणी: केतु: धनु

धनु राशि में केतु एक ऐसे व्यक्ति को लाता है जो आदर्शवादी होते हुए भी धोखेबाज होता है, सच्चाई को बढ़ाने या काल्पनिक दुनिया में जीने की प्रवृत्ति रखता है। वे अपनी उपलब्धियों को बढ़ा-चढ़ाकर बताने या अपने जीवन के बारे में झूठी कहानियाँ बनाने के लिए प्रवृत्त हो सकते हैं, जिससे वास्तविकता से अलगाव की भावना पैदा होती है। बेईमानी की ओर उनकी प्रवृत्ति के बावजूद, यह व्यक्ति सफल और धनी हो सकता है, क्योंकि उनका आकर्षण और दूसरों को लुभाने की क्षमता अक्सर उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करती है। वे आध्यात्मिक या धार्मिक प्रथाओं की ओर आकर्षित होते हैं, तीर्थयात्रा या धार्मिक अध्ययन के माध्यम से अर्थ की तलाश करते हैं। हालाँकि, आध्यात्मिक विकास की ओर उनकी यात्रा धोखे या आत्म-भ्रम की ओर उनके झुकाव से बाधित हो सकती है। व्यक्ति को स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ सकता है, विशेष रूप से पाचन तंत्र या यकृत से संबंधित, क्योंकि असत्य तरीके से जीने का तनाव उनके शारीरिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ता है। इस व्यक्ति के लिए कुंजी ईमानदारी और निष्ठा को अपनाना है, अपने कार्यों को अपनी सच्ची मान्यताओं के साथ संरेखित करना सीखना है। ऐसा करने से, वे पूर्णता की गहरी भावना का अनुभव कर सकते हैं और अधिक प्रामाणिक स्तर पर दूसरों से जुड़ सकते हैं। सच्ची सफलता तब मिलती है जब वे दूसरों को प्रभावित करने की आवश्यकता को छोड़ देते हैं और सच्चाई का जीवन जीने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

आदर्शवादी लेकिन धोखेबाज, आध्यात्मिक विकास की तलाश करने वाला लेकिन बेईमानी और आत्म-भ्रम।

केतु मंत्र: *|| ॐ पद्म-पुत्राय विदमहे अमृतेशाय धीमहि तन्नो केतुः प्रचोदयात ||*

अर्थ: ॐ, मैं उनका ध्यान करूँ जिनके ध्वज में घोड़ा है। हे, जिनके हाथ में त्रिशूल है, मुझे उच्च बुद्धि प्रदान करें और केतु मेरे मन को प्रकाशित करें।

नक्षत्र भविष्यवाणी

नक्षत्र के बारे में

नक्षत्र हिंदू ज्योतिष में चंद्र हवेली के लिए शब्द है। एक नक्षत्र क्रांतिवृत्त के साथ 27 (कभी-कभी 28 भी) क्षेत्रों में से एक है। प्रत्येक नक्षत्र को आगे क्वार्टर (या पद) में विभाजित किया गया है। ये लोकप्रिय हिंदू ज्योतिष में एक भूमिका निभाते हैं, जहां प्रत्येक पद एक अक्षर से जुड़ा होता है, जिसे पारंपरिक रूप से उस बच्चे के दिए गए नाम के सबसे छोटे अक्षर के रूप में चुना जाता है, जब चंद्रमा संबंधित पद में होता है।

शतभिषा नक्षत्र की भविष्यवाणी

आप 'सत्यमेव जयते' (सत्य की जीत होती है) के दर्शन को मूर्त रूप देते हैं, सत्य के लिए अपना जीवन बलिदान करने को तैयार हैं। निश्चित सिद्धांतों से प्रेरित होकर, आप अक्सर अपने समझौता न करने वाले रुख के कारण दूसरों से झगड़ते हैं। निस्वार्थ भाव से कार्य करने पर आपका हृदय कोमल और गहरा धार्मिक होता है। साहसी और दृढ़निश्चयी, एक बार जब आप कोई लक्ष्य निर्धारित कर लेते हैं, तो आप उसका लगातार पीछा करते हैं। राजनीतिक रूप से चतुर, आप शारीरिक श्रम के स्थान पर रणनीतिक सोच में उत्कृष्टता रखते हैं, साझेदारी के स्थान पर स्वतंत्रता को प्राथमिकता देते हैं। जब आप जीवन के सुखों का आनंद लेते हैं और अत्यधिक परिश्रम से बचते हैं, तो आप अटूट विश्वास और आंतरिक शक्ति के साथ चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करते हैं। यदि उकसाया जाए, तो आप प्रतिकूलताओं पर तेजी से काबू पा लेते हैं, हालांकि गुस्सा आने पर तीव्र होता है, लेकिन आपके दयालु और बुद्धिमान स्वभाव के कारण अल्पकालिक होता है। आप अपनी योग्यता और प्रतिभा के कारण विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं, आडंबर का सहारा लिए बिना सहजता से दूसरों को मोहित कर लेते हैं। उल्लेखनीय स्मृति और साहित्यिक प्रतिभा आपकी लोकप्रियता को बढ़ाते हुए जल्द ही पहचान सुनिश्चित करती है।

शिक्षा

उच्चतम योग्यता प्राप्त करने में सक्षम, आप मनोविज्ञान, स्पर्श चिकित्सा और ज्योतिष में उत्कृष्टता प्राप्त करते हैं। संभावित व्यवसायों में इलेक्ट्रीशियन, कीमोथेरेपिस्ट, अंतरिक्ष यात्री या ज्योतिषी, पायलट, सैन्य प्रशिक्षक, फिल्म या टेलीविजन भूमिकाएं, मॉडलिंग, फोटोग्राफी, विज्ञान शिक्षक या लेखक, परमाणु भौतिकी, फार्मास्यूटिकल्स, डॉक्टर या सर्जन, शराब उत्पादन, प्लास्टिक, पेट्रोलियम, योग प्रशिक्षक, आविष्कारक शामिल हैं। , दूसरों के बीच में।

परिवार

उदार और मददगार, आप अपनी सद्भावना के बावजूद पारिवारिक चुनौतियों का अनुभव कर सकते हैं, खासकर भाई-बहनों के साथ। माता-पिता का प्यार बिना शर्त होता है, जबकि उदारता, परिवार की देखभाल और बड़ों के प्रति सम्मान और परोपकारिता का एक सैद्धांतिक जीवन जीने वाले जीवनसाथी के साथ वैवाहिक जीवन संतुष्टिदायक साबित होता है।

पंचांग भविष्यवाणी

स्पष्टीकरण: पांच कारकों का समामेलन, अर्थात् जन्म का दिन, जन्म तिथि, जन्म नक्षत्र, जन्म योग और जन्म करण ज्योतिषियों को जातक के पंचांग फल की गणना करने में मदद करते हैं। जातक के जन्म के समय इन Ive कारकों को ध्यान में रखते हुए, ज्योतिषी जीवन के उतार-चढ़ाव को दर्शाते हुए एक स्पष्ट चित्र चित्रित करता है।

तिथि

नाम: एकादशी

भविष्यवाणी: एकादशी तिथि को जन्म लेने वाले लोग ईमानदार, आज्ञाकारी और नैतिक रूप से ईमानदार होते हैं। उन्हें ज्योतिष और पवित्र ग्रंथों का ज्ञान है, ईश्वर में दृढ़ विश्वास है और वे अपने पेशे में कुशल हैं।

नक्षत्र

नाम: शतभिषा

भविष्यवाणी: शतभिषा नक्षत्र में जन्मे, आप ठंड के प्रति प्रतिरोधी हैं और परंपरा के विरुद्ध साहसिक निर्णय लेते हैं। शत्रुओं पर सदैव विजय पाने वाले, आप एक सशक्त व्यक्तित्व के स्वामी हैं।

सप्ताह का दिन

नाम: रविवार

भविष्यवाणी: रविवार का जन्म आपको किसी भी कार्य से निपटने का साहस प्रदान करता है। हो सकता है कि आपके सिर पर कम बाल हों लेकिन आपका रंग चमकदार, गेहुंआ है। संघर्षों और युद्धों में सफल होकर आप सफलता प्राप्त करते हैं और राजा के समान सुखी जीवन व्यतीत करते हैं।

योग

नाम: वृद्धि

भविष्यवाणी: वृद्धि योग में जन्मे आप आकर्षक शरीर और उत्तम चरित्र के स्वामी हैं। आप आयात-निर्यात जैसे उद्यमों में शामिल हो सकते हैं और आपके सकारात्मक गुण आपके जीवनसाथी और बच्चों में दिखाई देंगे।

करण

नाम: वणिज

भविष्यवाणी: वणिज करण में जन्म होने का मतलब है कि आप विभिन्न कलाओं में निपुण हैं और हमेशा खुश और संतुष्ट रहते हैं। आप समाज में सम्मानित होते हैं, अपने स्वयं के व्यवसाय से अपनी आजीविका कमाते हैं और प्रसन्नचित्त स्वभाव रखते हैं।

धन्यवाद

JYOTISHAM
ASTRO API

For Any Inquiries Please Contact

Synilogic Tech Private Limited
C-7, Santosh Nagar-1, Borkheda, Kota, India, Rajasthan
www.synilogictech.com
Synilogictech@gmail.com
919358656189